आश्विन शुक्ल - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 91 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 25-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 देश को तोड़ने की इच्छा रखने वाली ताकतों से लड़ रही हैं भाजपा : तोमर
6 विधानसभा चुनावों की तपन और रुख बदली पुरवा-पछुआ पवन
7 अजीत डोभाल से मिलकर बेहद खुश हुईं कंगना रनौत

फर्स्ट टेक

तोशखाना मामले में नवाज की जमानत मंजूर

इस्लामाबाद/वार्ता। इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने मंगलवार को तोशाखाना मामले में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की जमानत मंजूर किए जाने की पुष्टि की। जवाबदेही अदालत ने 19 अक्टूबर को तोशाखाना मामले में नवाज के लिए वर्ष 2020 में जारी स्थायी गिरफ्तारी वारंट को निलंबित कर दिया था। सुनवाई की शुरुआत में अदालत ने नवाज शरीफ की हाजिरी लगाने का निर्देश दिया। हालांकि, सुनवाई हंगामे की भेंट चढ़ गई जिसके बाद अदालत ने नवाज को अदालत कक्ष से बाहर जाने का निर्देश दिया। जब सुनवाई दोबारा शुरू हुई तो राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) अभियोजक ने दलील दी कि नवाज ने आत्मसमर्पण कर दिया है, इसलिए उनका गिरफ्तारी वारंट रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यदि वारंट रद्द कर दिया जाए तो मुकदमा आगे बढ़ सकता है। इसके बाद अदालत ने 10 लाख रुपए के जमानत बांड भरने पर नवाज की जमानत मंजूर करने की पुष्टि की। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

पाकिस्तान ने गौरी हथियार प्रणाली का सफल प्रशिक्षण परीक्षण किया

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बैलिस्टिक मिसाइल अबाबील हथियार प्रणाली के उड़ान परीक्षण के एक सप्ताह बाद मंगलवार को गौरी हथियार प्रणाली का सफल प्रशिक्षण परीक्षण किया। सेना ने एक बयान में कहा कि परीक्षण का उद्देश्य सेना रणनीतिक बल कमान (एएसएफसी) की अभियानगत और तकनीकी तैयारी का परीक्षण करना है। परीक्षण पर कमांडर एएसएफसी, रणनीतिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों और रणनीतिक संगठन के इंजीनियरों ने नजर रखी।

चीन ने दो महीने से लापता रक्षा मंत्री को हटाने की घोषणा की

ताइपे (ताइवान)/एपी। चीन ने लगभग दो महीने से लापता रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू को हटाने की घोषणा की है। मीडिया में मंगलवार को आई खबर में यह जानकारी दी गई। पूर्व विदेश मंत्री छिन कांग के बाद शांगफू इस साल लापता होने वाले दूसरे वरिष्ठ चीनी अधिकारी हैं। कांग को जुलाई में बिना कोई स्पष्टीकरण दिए पद से हटा दिया गया था। मार्च में कैबिनेट फेरबदल के दौरान रक्षा मंत्री बने शांगफू को 29 अगस्त को भाषण देने के बाद से नहीं देखा गया है। कांग और शांगफू के गायब होने से चीन की विदेश या रक्षा नीतियों में बदलाव का कोई संकेत नहीं मिलता है।

सूर्यास्त 25-10-2023	सूर्योदय 26-10-2023
5:45 बजे	6:01 बजे

BSE	NSE
64,571.88	19,281.75
(-825.74)	(-260.90)

सोना	चांदी
6,359 रु.	78,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

असली रावण

लो मारो फिर नकली रावण,
हो गया तमाशा खत्म चलो।
क्या हुई बुराई खत्म कभी,
सब आँख उनींदी जरा मलो।
असली रावण तो है भीतर,
उसका वध करके स्वयं जलो।
तब होओगे विजयी सचमुच,
ले राम रूप को जरा ढलो।।

'विदेशी ताकतें मणिपुर में शांति के प्रयास विफल करने में लगीं हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/वार्ता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसक घटनाओं में विदेशी ताकतों और दक्षिण पूर्वी एशिया की भू-राजनीति की भूमिका है जो संघर्षरत दोनों पक्षों के लोगों की शांति के प्रयासों को विफल करने के लिए कोई न कोई हादसा करवा रहीं हैं। डॉ. भागवत ने यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में वार्षिक विजयादशमी उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

डॉ. भागवत ने मणिपुर हिंसा के कारणों की समीक्षा करते हुए कहा, मणिपुर की वर्तमान स्थिति को देखते हैं तो यह बात ध्यान में आती है। लगभग एक दशक से शांत मणिपुर में अचानक यह आपसी फूट की आग कैसे लग गई? क्या हिंसा करने वाले लोगों में सीमापार के अतिवादी भी थे? अपने अस्तित्व के भविष्य के प्रति आशंकित मणिपुरी मैतेयी समाज और कुकी समाज के इस आपसी संघर्ष को सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास क्यों और किसके द्वारा हुआ? वर्षों से वहाँ पर सबकी समदृष्टि से सेवा करने में लगे संघ जैसे संगठन को बिना कारण इसमें घसीटने का प्रयास करने में किसका निहित स्वार्थ है? इस सीमा क्षेत्र में नागाभूमि और मिजोरम के बीच स्थित मणिपुर में ऐसी अशांति एवं अस्थिरता का लाभ प्राप्त करने में किन विदेशी सत्ताओं को रुचि हो सकती है? क्या इन घटनाओं की कारण परंपराओं में दक्षिण पूर्व एशिया की भू- राजनीति की भी कोई भूमिका है? देश में मजबूत सरकार के होते हुए भी यह हिंसा किन के बलबूते इतने दिन बेरोकटोक चलती रही है? गत नौ वर्षों से चल रही शान्ति की स्थिति को बरकरार रखना चाहने वाली राज्य सरकार होकर भी यह हिंसा क्यों भड़की और चलती रही? आज की स्थिति में जब संघर्षरत दोनों पक्षों के लोग शांति चाह रहे हैं, उस दिशा में कोई सकारात्मक कदम उठता हुआ दिखते ही कोई हादसा करवा कर, फिर से विद्वेष और हिंसा भड़काने वाली ताकतें कौन सी हैं?

मैसूरु में मंगलवार को विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा के मौके पर जंबो सवारी की शुरुआत में हाथी अभिमन्यु के ऊपर 750 किलो सोने के सिंहासन पर विराजित मां चामुन्डेश्वरी की पूजा करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राजघराने के यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार एवं अन्य गणमान्य।

मैसूरु के भव्य दशहरा उत्सव का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु/भाषा। कर्नाटक के मैसूरु शहर में मंगलवार को 'जंबो सवारी' (हाथियों की सावरी) के साथ 10 दिवसीय लोकप्रिय दशहरा उत्सव का समापन हो गया। मैसूरु शहर की देवी चामुंडेश्वरी को 'अभिमन्यु' के ऊपर 750 किलोग्राम के सोने के बने 'हौदा' पर विराजमान किया गया और शोभा यात्रा निकाली गयी। इस शोभा यात्रा में सुसज्जित हाथियों का समूह शामिल था। हाथियों के समूह का नेतृत्व 'अभिमन्यु' नामक हाथी ने किया।

'जंबो सवारी' सुसज्जित हाथियों की एक शोभा यात्रा है जिसमें देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा आगे चल रहे हाथी पर स्थापित की जाती है।

इस शोभा यात्रा का नेतृत्व कर्नाटक पुलिस के घुड़सवारों ने किया।

सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती है कांग्रेस : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां मंगलवार को कहा कि कांग्रेस सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करती है और पार्टी को लोगों से प्यार व लगाव बिल्कुल भी नहीं है। अपने पैतृक गांव समीरपुर में संवाददाताओं के एक समूह को संबोधित करते हुए ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने वोटों के लिए हमेशा लोगों का उत्पीड़न किया और उसके बाद उन्हें भुला दिया।

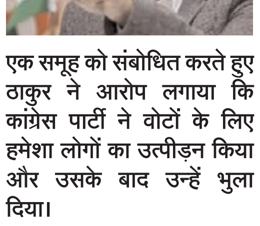

केंद्रीय मंत्री अपने जन्मदिवस के मौके पर समीरपुर में थे और इस दौरान उनके परिवार के सदस्यों व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

ठाकुर ने कहा कि भाजपा नीत सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ काम किया और देश में 13.5 करोड़ गरीब लोगों को गरीबी से बाहर निकाला।

भूटान पर राजनयिक संबंध कायम करने का दबाव बना रहा चीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन भूटान पर खुद के साथ राजनयिक संबंध कायम करने और सीमा संबंधी मुद्दों को जितनी जल्दी हो सके सुलझाने का दबाव बना रहा है, ताकि दोनों पड़ोसी देशों के बीच रिश्तों को कानूनी रूप दिया जा सके।

चीन-भूटान के बीच सीमा वार्ता में शामिल होने के लिए बीजिंग पहुंचे भूटान के विदेश मंत्री डॉ. टांडी दोर्जी ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। चीन के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, इस दौरान वांग ने दोर्जी से कहा कि राजनयिक संबंधों की बहाली दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों को पूरा करेगी।

वांग ने कहा, सीमा वार्ता का समापन और चीन-भूटान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना दोनों देशों के दीर्घकालिक एवं मौलिक हितों की पूरी तरह से पूर्ति करेगा। उन्होंने दोर्जी से कहा, चीन भूटान के साथ समान दिशा में काम करने, ऐतिहासिक अवसर का लाभ उठाने, इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने और चीन-भूटान के बीच दोस्ताना रिश्तों को कानूनी रूप में विकसित करने के लिए तैयार है।

वांग चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के भी सदस्य हैं।

विज्ञप्ति में दोर्जी के हवाले से कहा गया है कि भूटान और चीन के बीच पारंपरिक दोस्ती रही है।

देशभर में धूमधाम से मनायी गयी विजयादशमी

प्रधानमंत्री ने जातिवाद, क्षेत्रवाद को जड़ से खत्म करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोगों से समाज में जातिवाद और क्षेत्रवाद जैसी विकृतियों को जड़ से खत्म करने का आह्वान करते हुए कहा कि दशहरा उत्सव को देश में हर बुराई पर देशभक्ति की जीत का प्रतीक भी बनाना चाहिए।

यहां दशहरा कार्यक्रम में एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह हर किसी का सौभाग्य है कि वे सदियों के इंतजार के बाद अब अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर के निर्माण का गवाह बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कुछ महीनों में पूरा हो जाएगा और यह लोगों के धैर्य की जीत का प्रतीक है।

मोदी दशहरा समारोह के उपलक्ष्य में द्वारका में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर मंच पर आयोजकों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग 'लंका दहन' देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे। मोदी का स्वागत शॉल ओढ़ाकर किया गया। उन्हें राम दरबार की मूर्ति और गदा भी भेंट की गई। प्रधानमंत्री ने भारत के सफल चंद्र मिशन, नए संसद भवन के उद्घाटन और महिला आरक्षण कानून बनाए जाने का हवाला देते हुए कहा कि यह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के बीच हो रहा है।

मोदी ने लोगों से 10 प्रतिज्ञाएं लेने को भी कहा, जिसमें कम से कम एक गरीब परिवार को उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने में मदद करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि जब सबका विकास होगा, तभी देश विकसित राष्ट्र बनेगा। उन्होंने पानी की बचत, डिजिटल लेनदेन, स्वच्छता, स्थानीय चीजों के लिए मुखर रहने (वोकल फॉर लोकल), गुणवत्तापूर्ण कार्य, घरेलू पर्यटन, प्राकृतिक खेती, मोटे अनाजों के उपभोग और फिटनेस पर भी जोर दिया।

हिमाचल प्रदेश 'क्रिप्टोकरेंसी' धोखाधड़ी मामले में

सात और लोगों को किया गिरफ्तार

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में करोड़ों रुपये के 'क्रिप्टोकरेंसी' धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने फर्जी निवेश योजनाओं में भारी मुनाफे का लालच देकर लोगों को ठगने के मामले में लिप्त सात और लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय ने यहां एक बयान जारी बताया कि सभी आरोपियों ने धोखाधड़ी में अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं, जिसमें 'बैक-एंड ऑफिस' गतिविधियां और डेटाबेस के प्रबंधन से लेकर लोगों से बातचीत करना, तकनीकी सहायता प्रदान करना, वित्तीय लेनदेन का प्रबंधन करना और धन के प्रवाह को संभालना शामिल है। बयान के मुताबिक, आरोपियों को दस दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

देश में 60 करोड़ गरीब लोगों का उत्थान मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि 60 करोड़ गरीब लोगों का उत्थान मोदी सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा कार्य है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों को देश के आर्थिक विकास का सबसे बड़ा लाभार्थी होना चाहिए।

शाह ने अहमदाबाद जिले के साणंद में एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और 550 बिस्तरों वाले अस्पताल सहित विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि साणंद जीआईडीसी में बनने वाली आईटीआई स्थानीय लोगों को कारखानों की आवश्यकता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण प्रदान करेगी ताकि उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इकाइयों में नौकरी मिल सके।

शाह ने कहा, ''ग्रामीण इलाकों में रहने वाले गरीब नागरिक देश और राज्य के आर्थिक विकास के सबसे बड़े लाभार्थी होने चाहिए। इसके लिए ऐसी सुविधाएं तैयार करना हमारी (सरकार की) प्राथमिकता है।'' उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 11वें स्थान से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और चंद्रयान चंद्रमा पर उतरा।

इजराइल ने गाजा पर हमले तेज किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रफाह/एपी। इजराइल ने गाजा पट्टी में चरमपंथी संगठन हमास के ठिकानों को निशाना बनाकर हमले तेज कर दिए हैं। इजराइली सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इजराइल की ओर से हमास के चरमपंथियों के खिलाफ जल्द ही जमीनी स्तर पर कार्रवाई शुरू किए जाने का अनुमान है। अमेरिका ने आशंका जताई है कि इससे क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ सकता है और अमेरिकी सैनिकों पर भी हमले हो सकते हैं।

गाजा में इजराइल के हमलों में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, हमास ने इजराइल की दो वृद्ध महिलाओं को रिहा कर दिया, जिन्हें उसने बंधक बना लिया था। हमास ने सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल के शहरों पर हमले कर सैकड़ों इजराइली नागरिकों को बंधक बना लिया था।

इजराइल-हमास युद्ध के बीच विभिन्न देशों के नेताओं का इजराइल आकर उसके प्रति एकजुटता व्यक्त करना जारी है और इसी के तहत मंगलवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों तेल अवीव पहुंचे। मैक्रों ने हमास के हमले में मारे गए फ्रांस के नागरिकों के परिजनों से मुलाकात की। इजराइल ने गाजा पर हमले के बाद इसकी सीमाओं को सील कर दिया है, जिसके कारण गाजा के 23 लाख लोगों के सामने भोजन, पानी और दवा की कमी हो गई है।

■ हमास ने दो और बंधकों को रिहा किया

गाजा के करीब दो हजार बच्चे मारे गए

गाजा/वार्ता। इजरायल-फिलिस्तीनी के बीच संघर्ष बढ़ने के बाद से गाजा पट्टी में कम से कम 2,000 बच्चे मारे गए हैं। मानवीय संगठन सेव द चिल्ड्रन ने सोमवार को यह जानकारी दी। संगठन ने एक बयान में कहा, 'पिछले 17 दिनों में गाजा में कम से कम 2,000 बच्चे मारे गए हैं, लगातार हवाई हमलों के कारण गाजा पट्टी में हजारों इमारतें मलबे के ढेर में तब्दील हो गई हैं।' बयान में कहा गया है कि वेस्ट बैंक में भी 27 बच्चे मारे गए।

गाजा के करीब दो-तिहाई अस्पतालों ने काम करना बंद किया

राफा/एपी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंगलवार को कहा कि गाजा में इजराइली हवाई हमलों में बढ़ोतरी के बीच क्षेत्र के लगभग दो-तिहाई अस्पतालों ने काम करना बंद कर दिया है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इजराइली सेना की कार्रवाई के बाद से कुल 72 स्वास्थ्य सुविधाओं में से 46 ने काम करना बंद कर दिया है। इसके साथ 35 अस्पतालों में से 12 बंद हो चुके हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने भी कहा कि इजराइली घेराबंदी के कारण बिजली जनरेटर के लिए ईंधन की कमी, साथ ही हवाई हमलों से हुई क्षति के कारण कई स्वास्थ्य सुविधाओं को बंद करना पड़ा है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि पिछले दिनों इजराइली हवाई हमलों में 700 से अधिक लोग मारे गए हैं।

केआरपुरम बडेर में धूमधाम से मनाया गया नवरात्रि महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री आई माता सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा केआर पुरम बडेर प्रांगण में कलश स्थापना के साथ शुरू हुआ शारदीय नवरात्रि महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ अत्यंत उत्लासमय वातावरण में सोमवार को सम्पन्न हो गया। नौ दिनों तक चले धार्मिक महोत्सव के दौरान विविध धार्मिक कार्यक्रमों, आईमाता की स्तुति, पूजा-अर्चना व आरती में बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं आसपास के श्रद्धालु शामिल हुए। प्रतिदिन संत सुखदेव महाराज, हीरादास महाराज एवं तुकाराम महाराज ने सत्संग-प्रवचन सुनाया। होम अष्टमी के दिन हवन अनुष्ठान किया गया, जिसमें नवरात्रि के दौरान अखंड व्रत करने वाले व्रतधारियों आहुतियाँ दी तथा व्रतधारियों का सम्मान किया गया। नवरात्रि महोत्सव के समापन समारोह में अध्यक्ष नेतीराम काग, सचिव मोहनलाल मुलेवा, उपाध्यक्ष विंजाराम गहलोत, सहसचिव अणदाराम राठौड़, कोषाध्यक्ष प्रमोद सीरवी, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष पेमाराम बर्फा, सचिव वेनाराम राठौड़, कोषाध्यक्ष राकेश बर्फा, महिला मंडल अध्यक्ष सीता देवी, सचिव लक्ष्मीदेवी पंवार, कोषाध्यक्ष संतोष चोयल एवं गेर मंडल अध्यक्ष चेनाराम सोलंकी सहित समस्त सदस्यगण उपस्थित रहे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साधुमार्गी जैन संघ मैसूर के सचिव सुशील नंदावत, उपाध्यक्ष नेमीचंद श्रीमाल, अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल पोरवाड, गौतम देरासरिया, अशोक देसरला, खुशवंत पोरवाड़ ने अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ की सर्वोच्च सदस्यता 'शिखर सदस्यता' ग्रहण करने वाले व वर्ष 2023-25 कार्यकाल के लिए उपाध्यक्ष दक्षिणांचल (कर्नाटक-आंध्रप्रदेश-तेलंगाना) ईकाई के लिए मनोनीत होने वाले सुरेशकुमार दक परिवार का सम्मान किया।

दुर्गा पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वैशाली जनकल्याण दुर्गा पूजा समिति में नवरात्रि महोत्सव का समापन हुआ। 23 अक्टूबर सोमवार को महानवमी पूजा, हवन, कन्या पूजा, मंगला आरती, पुष्पांजलि आदि कार्यक्रम हुए। पंडित अजीत झा, मौसम भारद्वाज के मार्गदर्शन में पूजा की व्यवस्था अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मुकेश सिंह, प्रवीण पांडेय, पंकज सिंह, धीरेंद्र सिंह आदि ने विभिन्न आराधनों में भाग लिया। के द्वारा की गई। कार्यक्रम में बिहार से आये गायकोंने भजनों की प्रस्तुति दी।

हेब्बगोड़ी में दुर्गा आराधना के साथ हुआ डांडिया व गरबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड पर स्थित राजस्थान सेवा मंडल हेब्बगोड़ी में आयोजित शारदीय नवरात्रि पर्व पर नौ दिवसीय गरबा महोत्सव की धूम रही। अध्यक्ष भंवरलाल देवासी ने बताया कि विगत आठ वर्षों से हेब्बगोड़ी मुख्य बाजार स्थित शिवप्पा कॉम्प्लेक्स में मारवाड़ी समाज द्वारा माताजी की आराधना हेतु नौ दिवसीय गरबा महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। गरबा पांडाल में गरबा संगीत पर महिलाएं एवं बालिकाओं द्वारा गरबा व डांडिया किया। आयोजन में राजस्थानी सेवा मंडल अध्यक्ष भंवरलाल देवासी, तुलसाराम राठौड़, पन्नालाल जैन, भोमाराम सीरवी, ओमप्रकाश, सोहनलाल सीरवी आदि अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

दुर्गा महोत्सव

बेंगलूरु के सर्वजन एकता मंच द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष में सुदामनगर स्थित मणिरत्ना अतिथि भवन में मां भगवती का विशाल दुर्गा जागरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश से आए हुए भजन कलाकार जिला द्विवेदी एवं राजू दुबे ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी जिससे श्रद्धालु मंत्र मुग्ध हो गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत एवं अन्य अतिथियों व मां के भक्तों ने देवी मां को चुनरी अर्पित की। इस अवसर पर माता रानी एवं हनुमान जी की झांकी सजाई गई। मंच के पदाधिकारियों ने अतिथियों का सम्मान किया गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

भंसाली समाज के निशुल्क हृदय परीक्षण शिविर में 150 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।अखिल भारतीय भंसाली समाज साऊथ के तत्वावधान एवं यूनाइटेड हॉस्पिटल के सहयोग से हृदय रोग परीक्षण शिविर का आयोजन जयनगर स्थित यूनाइटेड अस्पताल परिसर में किया गया जिसमें 150 लोगों लाभान्वित हुए।

शिविर के प्रायोजक राजेन्द्र, सुरेन्द्रकुमार भंसाली परिवार रहे। समाज के अध्यक्ष कैलाश भंसाली ने प्रायोजक,हॉस्पिटल के सीईओ कर्नल राकेशकुमार भारद्वाज, डॉ. राहुल पाटिल एवं अन्य डॉक्टरों का भी सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समाज के सचिव विशाल भंसाली, युवा अध्यक्ष भरत भंसाली, प्रोजेक्ट चेयरमैन राजेश भंसाली, युवा सचिव विकास भंसाली, प्रोजेक्ट डायरेक्टर विपिन भंसाली व अशोक भंसाली एवं समाज के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

साधु बने बिना आत्मा को मोक्ष नहीं मिलता : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने नवपद प्रवचन में कहा कि साधु आत्म-आराधना में लीन रहते हैं, वे अपनी साधना के साथ लोक कल्याण भी करते हैं। उनके जीवन का प्रमुख लक्ष्य है मोक्ष प्राप्ति। उनकी प्रत्येक क्रिया के पीछे कर्म मुक्ति, देह मुक्ति और संसार मुक्ति का ही लक्ष्य रहता है। इस पद का स्थान चाहे पाँचवाँ है किन्तु यह शेष चार पदों में व्याप्त साधु बने बिना कोई आचार्य, उपाध्याय, अरिहंत और सिद्ध नहीं बन सकता।

अरिहंत में भी साधु अवस्था है और सिद्ध पद की प्राप्ति भी साधुत्व का स्पर्श किये बिना नहीं होती। साधु बने बिना आज तक कोई आचार्य और उपाध्याय नहीं बना। सार यह है भाव से साधु बने बिना आज तक एक भी आत्मा को मोक्ष नहीं मिला। इस प्रकार 'णमो लोए सव्व साहूणं' पाँचों पदों का आधार है। यही इसकी विलक्षणता है। शासन (तीर्थ) की स्थापना भी साधु धर्म स्वीकारने के बाद ही होती है।

जब तक साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका रूपी संघ का अस्तित्व है तब तक शासन है। जब तक शासन है तब तक मोक्षमार्ग है। साधुत्व आत्म-विकास की भावना का मूल है।

सिद्ध पद साधुत्व का फल है। अरिहंत, आचार्य और उपाध्याय पद भी इसी में व्याप्त है।

जिसके पास जाने से संत या शांत बनते है उसे कहते हैं साधु : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम एलएनपुरम श्री शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में शाश्वती ओली के तहत मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि मुनि श्री राजपद्मसागर जी साधु का महत्व बताते हुए कहा कि अगर साधु नहीं होते तो हम कहीं न कहीं भटक जाते। साधु के कारण ही धर्म टिका हुआ है ऐसे महान त्यागी साधु संतों की वजह से हमारे में धर्म का बीजारोपण होता रहता है। आराधना में साधना जो भी हम लोग आज कर रहे हैं इस साधु भगवंत की बदौलत है। साधु के गुण 27 होते हैं और ऐसे साधु भगवान की साधना करने से समकित की प्राप्ति होती है। अगर हमें शाश्वत मोक्ष सुख भी प्राप्त करना हो तो सबसे पहले साधु के सत्संग में आना चाहिए ।

मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि साधु हमेशा धर्म की मार्केटिंग करते हैं, अरिहंत परमात्मा के मार्ग का मार्ग बतलाते हैं। अरिहंत परमात्मा के बताए हुए मार्ग पर चलते हैं और दूसरों को भी प्रेरणा देखकर के अनेक आत्माओं को धर्म मार्ग में जोड़ने का साधु काम करते हैं।

साधु के पास ज्ञान, ध्यान और साधना होती है : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी ने नवपद आराधना के पंचम दिवस पर पंचम पद का वर्णन करते हुए कहा कि लोक के सभी साधु पांचवें पद के धारक हैं। साधु का वर्णन श्याम होता है। श्याम वरुण उदासीनता का सूचक है। साधु संसार से उदासीन अर्थात वैरागी होते हैं। साध्यनैति स्व पर कार्याणि इति साधु अर्थात जो स्व और पर के आत्म कल्याण के लिए साधना करता है वह साधु है। अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय इन चारों पदों की प्राप्ति साधु बने बगैर हो ही नहीं सकती, अर्थात, साधु पद सभी पदों की नींव है। साधवो दीन वत्सला अर्थात साधु दीन दयालु होते हैं। करुणा के भंडार होते हैं। साधु धर्म रूपी धन वाले होते हैं। साधु के पास ज्ञान, ध्यान होता है साधना होती है।

साधु पांच समिति, तीन गुप्ती इन अष्ट प्रवचन माता की आराधना करता है। साधु पांच महाव्रतों का पालन करते हैं। साधु छह काय के सभी जीवों के प्रतिपालक होते हैं अर्थात उनको अभयदान देने वाले होते हैं। साधु दया, प्रेम, वात्सल्य के भंडार है। उनका मन मक्खन से भी अधिक मुलायम होता है। साधु ममता का भंडार होता है। साधु को श्रमण कहा जाता है क्योंकि वे आत्मिक कार्यों के लिए श्रम करते हैं एवं क्रोध आदि चार कषायों का शम अर्थात शमन करते हैं। साधु को निग्रंथ कहा जाता है क्योंकि वे राग द्वेष की ग्रंथि से रहित होते हैं। साधु को अणगार कहा जाता है क्योंकि वे अपने द्वारा ग्रहण किये हुए महाव्रतों का, बिना किंतु परंतु के, बिना किसी छूट के, पालन करते हैं। साधु को भिक्षु भी कहा है अर्थात जो भय रहित है।

इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने श्रीपाल मैनासुंदरी के चरित्र के माध्यम से नवकार महामंत्र की महिमा का वर्णन किया। नवकार महामंत्र जाप के लाभार्थी केवलचंद कौशिककुमार ढेलड़िया परिवार थे। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सभी का स्वागत किया। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संघ की सूचनाएं प्रदान की।

आराधना साधना से तामसिक विचारों का अंत और सात्विक विचारों का निर्माण होता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने शाश्वत नवपद ओली के पंचम दिवस पर कहा कि जप और तप की आध्यात्मिक साधना और आराधना से निर्मित तरंगे का जब शरीर में समावेश होता है तो अद्भुत अलौकिक शक्ति का एहसास होता है। साधना से इम्युनिटी पावर के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण होता है, रोम रोम में असीम शक्ति का संचार होता है। आराधना साधना से तामसिक विचारों का अंत और सात्विक विचारों का निर्माण होता है जिससे कर्मो से आत्मा की शुद्धि मन को विकारों से मुक्ति और तन को रोगों से मुक्ति मिलती है। विकार और वासना परमाणु बम से भी खतरनाक है व्यक्ति के जीवन को बर्बाद कर देती है। साधना द्वारा ही इन पर नियंत्रण लाया जा सकता है विज्ञान सरकार और डॉक्टर के पास इनका कोई इलाज नहीं है।

साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि साधना में दिखावा प्रदर्शन आडंबर से दूर होकर सेवा और सहयोग से जोड़ते हुए सात्विकता, सदाचार, सादगी और पवित्र विचारों का समावेश होना भी जरूरी है तभी पर्वों की सार्थकता है। हेमराज मोदी ने बताया कि ओली तपस्वी बडी संख्या मे भाग ले रहे है। ओली करवाने का लाभ कांतिलाल हुकमीचंद कांकरिया परिवार ने लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नवरात्रि महोत्सव व ध्वजारोहण

बेंगलूरु के कगलीपुरा स्थित आशापुरा माताजी धाम में त्रिशूल स्तंभ स्थापना एवं 54 परिवारों द्वारा आरती महोत्सव से शुरु हुए नवरात्रि महोत्सव सोमवार को 10वीं वर्षगांठ के ध्वजारोहण के साथ सम्पन्न हुआ। नौ दिनों तक चले इस नवरात्रि महोत्सव में रोजाना आशापुरा माताजी, खेतलाजी व रिद्धि सिद्धि विनायकजी की विशेष पूजा व आराधना की गई। सोमवार को नवरात्रि महोत्सव की भी पूर्णाहुति हुई।कार्यक्रम में ट्रस्ट मंडल, ट्रस्टीगण, युवा मंडल एवं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।

समलैंगिक विवाह की अनुमति के लिए नई विधायी व्यवस्था बनाना संसद के अधिकार क्षेत्र में : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि समलैंगिक विवाहों को अनुमति देने के लिए पूरी तरह से एक नई विधायी व्यवस्था बनाना संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसके लिए विशेष विवाह अधिनियम के प्रावधानों को रद्द करना बीमारी से भी बदतर नुस्खा प्रदान करने जैसा होगा।

समलैंगिक विवाह संबंधी हाल के फैसले और भारतीय न्यायपालिका के अन्य प्रमुख पहलुओं पर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने ये टिप्पणियां जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर, वाशिंगटन और सोसाइटी फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (एसडीआर), नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरी तुलनात्मक संवैधानिक कानूनी चर्चा में कीं।

चर्चा का विषय 'भारत और अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालयों के परिप्रेक्ष्य से' था।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) इस समय अमेरिका में हैं। उन्होंने विशेष विवाह अधिनियम का उल्लेख किया और कहा कि यह विभिन्न धर्मों से संबंधित विषमलैंगिकों के विवाह संबंधी मामलों से निपटने के लिए एक धर्मनिरपेक्ष कानून है और समलैंगिक विवाह की अनुमति न देने के लिए इसके कुछ प्रावधानों को बरकरार रखना उचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, यह तर्क दिया गया था कि विशेष विवाह अधिनियम भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह केवल विषमलैंगिक जोड़ों पर लागू होता है। अब, यदि न्यायालय उस कानून को रद्द कर देता है, तो परिणाम वैसा होगा जैसा मैंने अपने फैसले कहा था, यह स्वतंत्रता से भी पहले की स्थिति में जाने जैसा होगा, जो यह थी कि विभिन्न धर्मों से संबंधित लोगों के विवाह के लिए कोई कानून नहीं था।

सीजेआई ने सोमवार को कहा, इसलिए कानून को रद्द करना...पर्याप्त नहीं होगा और यह एक ऐसा नुस्खा प्रदान करने जैसा होगा जो बीमारी से भी बदतर हो। उन्होंने कहा कि मुख्य प्रश्नों में से एक यह है कि क्या अदालत के पास अनिवार्य रूप से इस क्षेत्र में आने और यह आदेश देने का अधिकार है कि भारतीय संविधान के तहत शादी करने का अधिकार प्राप्त है। सीजेआई ने कहा, पीठ के सभी पांच न्यायाधीशों के सर्वसम्मत फैसले से, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और समलैंगिक समुदाय के लोगों को हमारे समाज में समान भागीदार के रूप में मान्यता देने के मामले में हमने काफी प्रगति की है। लेकिन विवाह के अधिकार पर कानून बनाना संसद के अधिकारक्षेत्र में आता है, और हम न्यायिक निर्णयों के माध्यम से कानून नहीं बना सकते।

सत्रह अक्टूबर को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि यह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

सीजेआई और अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के एसोसिएट जस्टिस स्टीफन ब्रेयर ने इस अवसर पर विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का संचालन जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर के डीन एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष विलियम एम ट्रेनर ने किया।

बोरा दौड़

कोयम्बटूर के ईशा फाउन्डेशन के ईशा होम स्कूल में दशहरा उत्सव के मौके पर खेल उत्सव का आयोजन किया। इस दिन उत्साह के साथ सभी उम्र के लोगों के लिए प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई। छात्रों ने खुशी और पूर्ण उत्साह के साथ भागीदारी का प्रदर्शन किया। समारोह में परिजनों ने सभी भागीदारों का उत्साह बढ़ाया। ऐसे ही एक बोरा दौड़ में भाग लेते हुए युवा पूरे उत्साह के साथ दौड़ते हुए।

चेन्नई के पास ईएमयू के तीन खाली डिब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में उपनगर आवडी के पास इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) ट्रेन के तीन खाली डिब्बे मंगलवार तड़के पटरी से उतर गए। दक्षिण रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी के मुताबिक, सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इससे इस व्यस्त मार्ग पर रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं और कई ट्रेन देरी से चल रही हैं। दक्षिण रेलवे ने शुरुआत में चार डिब्बों के पटरी से उतरने की जानकारी दी थी, लेकिन बाद में इसने स्पष्ट किया कि तीन डिब्बे पटरी से उतरे हैं।

आधिकारिक बयान में कहा गया, उपनगरीय ईएमयू ट्रेन की खाली रेक के आखिरी तीन डिब्बे

सुबह 5.40 बजे आवडी ईएमयू कार शेड से मुख्य लाइन पर निकलते समय आवडी रेलवे स्टेशन पर पटरी से उतर गए। बयान के अनुसार, घटना से चेन्नई सेंट्रल की तरफ उपनगरीय लाइन पर रेल सेवाएं प्रभावित हुईं, जबकि ओवरहेड उपकरण (ओएचई) केबल में गड़बड़ी के कारण मुख्य एक्सप्रेस लाइन पर मामूली व्यवधान आया।

इसमें कहा गया कि घटना के कारण चेन्नई सेंट्रल की ओर जाने वाली पांच ईएमयू ट्रेन देरी से चलीं और तीन एक्सप्रेस ट्रेन–मैसूरु जाने वाली वंदे भारत और शताब्दी एक्सप्रेस तथा चेन्नई–कोयंबटूर कोवै एक्सप्रेस को अंबत्तूर रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। बयान के मुताबिक, घटना के कारण चेन्नई सेंट्रल से चलने वाली सप्तगिरि एक्सप्रेस (चेन्नई–तिरुपति) और बेंगलूरु जाने वाली बृंदावन एक्सप्रेस तथा डबल डेकर एक्सप्रेस का समय पुनर्निर्धारित किया गया है।

इसमें कहा गया, मंडल रेल प्रबंधक और उनके वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मौके पर है। ट्रैक पर रेल सेवाओं की बहाली का काम जोरों पर है और अब मुख्य लाइन को ट्रेन परिचालन के लिए खोल दिया गया है... मार्ग पर विलंबित/रोकी गई ट्रेन ने यात्रा शुरू कर दी है।

ईएमयू सेवाओं के परिचालन के लिए उन्हें फास्ट लाइन की तरफ मोड़ा गया है। इसमें कहा गया कि उपनगरीय लाइन पर रेल यातायात बहाली का काम प्रगति पर है और कुछ ही घंटों में यातायात बहाल कर दिया जाएगा। ईएमयू का इस्तेमाल स्थानीय यात्री सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किया जाता है।

सड़क हादसे में सात लोगों की मौत, चार घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई जिले के चेंगम के पास तिंडीवनम–कृष्णागिरी राष्ट्रीय राजमार्ग 77 पर सोमवार देर रात कार और तमिलनाडु राज्य एक्सप्रेस परिवहन निगम (टीएनएसईटीसी) की बस में टक्कर होने की वजह से सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतकों में पांच लोग असम के मूल निवासी थे। पीड़ित कृष्णागिरी जिले के होसुर के पास एक गम फैक्ट्री में काम करते थे और हादसे के समय पूजा की छुट्टियों के दौरान पुड्डुचेरी से लौट रहे थे।

मृतकों की पहचान आर. कुंचा राय (24), एस. नारायण सेठी (35), सी. भीनमाल तीर्थ (28), बी. दल्लू (26), और वी. निकोलस (22) के रूप में हुयी है। ये सभी असम के मूल निवासी थे। इसके अलावा मृतकों में कृष्णागिरी जिले के डेंकानिकोट्टई और मरमपट्टी गांव के निवासी एस. पुनीथ कुमार (23) और जी. कामराज (29) में शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि कार चालक पुनीथ ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया और इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बस से कार की टक्कर हो गयी। इस हादसे में बस यात्री या चालक दल में से कोई भी घायल नहीं हुआ।

इस हादसे में के. स्टीफन ओरा (44), वी. सैमुन ओरांगी (26), बी. किस्मोथ (30) और पिचेसी मुर्मू (29) घायल हुए हैं और उन्हें उपचार के लिए तिरुवन्नामलाई के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों वाहनों में टक्कर इतनी जोरदार थी कि एसयूवी कार चकनाचूर हो गई। इस घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और अग्निशमन सेवा कर्मी मौके पर पहुंचे, क्षतिग्रस्त एसयूवी से शवों को निकाला तथा पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा। वहीं, तिरुवन्नामलाई के कलेक्टर बी.मुरुगेश, पुलिस अधीक्षक के.कार्तिकियन, वेल्लोर रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआइजी) एम.एस. मुथुसावी ने भी घटनास्थल पर पहुंचे।

ट्रेन की चपेट में आने से तीन बच्चों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के बाहरी इलाके उरापक्कम के समीप एक ट्रेन की चपेट में आने से दो भाइयों समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, तीनों बच्चे दिव्यांग बताए जा रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि तीनों बच्चों की उम्र 11 से 15 साल के बीच थी और वे कर्नाटक के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, पटरी पार करते समय वे ट्रेन की चपेट में आ गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तीनों बच्चों में से दो भाई मूक–बधिर थे जबकि तीसरा बच्चा बोल नहीं सकता था। पुलिस ने बताया कि उनके माता–पिता चेन्नई में दिहाड़ी मजदूर हैं। पुलिस के मुताबिक, रेलवे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

चंद्रबाबू की पत्नी भुवनेश्वरी ने तिरुमाला मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमाला। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी ने मंगलवार को तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा–अर्चना की।

श्रीमती भुवनेश्वरी के मंदिर पहुंचने पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां दर्शन करने के बाद, मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्हें आशीर्वाद दिया और मंदिर के अंदर रंगनायकुला मंडपम में उन्हें भगवान का तीर्थ प्रसाद दिया। बाद में,

श्रीमती भुवनेश्वरी चंद्रबाबू नायडू के पैतृक गांव नरवारी पल्ली के लिए रवाना हुईं।

तेदेपा सूत्रों के अनुसार,आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कथित घोटाले के लिए श्री चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बारे में जानने के बाद आत्मदाह करने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए, वह 25 अक्टूबर से निजाम गेलावली' (सच्चाई की जीत होनी चाहिए) नामक तीन दिवसीय यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं। सूत्रों ने बताया कि यात्रा के दौरान, श्रीमती भुवनेश्वरी की योजना हर घर का दौरा करने और सार्वजनिक बैठकों तथा सम्मेलनों में शामिल होने की है।

बिग बॉस कन्नड़ का प्रतिभागी बाघ के नाखून का बना 'पेंडेंट' पहनने के मामले में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ के एक टेलीविजन रियलिटी शो के एक प्रतिभागी को वन विभाग के अधिकारियों ने कथित रूप से बाघ के नाखून का बना 'पेंडेंट' पहनने के मामले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि टेलीविजन पर प्रसारित हो रहे बिग बॉस कन्नड में वरथूर संतोष द्वारा इस तरह की ताबीज पहनने की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गयी। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु (शहर) के उप वन संरक्षक एन रवींद्र कुमार के नेतृत्व में एक दल शो के शूटिंग स्थल पर गया और रविवार रात को संतोष को गिरफ्तार कर लिया।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शो के सेट पर पहुंचने के बाद इसके निर्माण में लगे लोगों को सूचित किया गया और संतोष को स्टूडियो के बाहर लाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि सत्यापन के बाद इस बात की पुष्टि की गयी कि संतोष वास्तव में बाघ के नाखून का बना पेंडेंट' पहने हुए थे और उन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) कुमार पुष्कर ने पीटीआई–भाषा' से कहा, हमारी टीम ने बाघ के नाखून का सत्यापन किया, जो उन्होंने पहना हुआ था। बाघ का नाखून होने की पुष्टि के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया और पूछताछ जारी है। इस संबंध में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम काफी सख्त है। हम कुछ दिनों के लिए उनकी न्यायिक हिरासत की मांग करेंगे, क्योंकि हमें मामले की जांच करनी है।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि संतोष ने पूछताछ के दौरान वन अधिकारियों से कहा कि वह करीब तीन साल पहले कर्नाटक सीमा से लगे तमिलनाडु के होसुर में एक स्थान से 20,000 रुपये में बाघ के नाखून से बना 'पेंडेंट' खरीदकर लाये थे।

अधिकारी ने कहा, उनके दावे का सत्यापन करना होगा और इस सिलसिले में उनसे और पूछताछ करनी होगी। संतोष को एक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया था और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कांग्रेस नेता श्रीनिवास की हत्या के बाद छह आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। कर्नाटक में कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एम श्रीनिवास (62) की हत्या के मामले में मंगलवार को कोलार पुलिस ने छह आरापियों को गिरफ्तार किया। श्रीनिवास की सोमवार को कोलार जिले के श्रीनिवासपुर शहर के बाहरी इलाके में हथियारबंद लोगों ने हत्या कर दी थी।

मंगलवार को कोलार पुलिस ने कथित तौर पर कांग्रेस नेता की हत्या के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इन छह आरोपियों में से दो आरोपियों वेणुगोपाल और मुनींद्र को पुलिस ने उस समय गोली मारकर घायल किया जब दोनों भागने का प्रयास कर रहे थे। उन्हें लक्ष्मीसागर वन में पकड़ा था जिसके बाद उन्हें पुलिस थाने ले जाया गया है। इन आरोपियों के पकड़ने के दौरान अन्य आरोपियों सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए कोलार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपी कोलार जिले के निवासी हैं और उनकी पहचान संतोष कुमार, नागेंद्र, हर्षित और अरुण कुमार के रूप में की गई है। तीनों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है।

कोलार पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने कहा कि हत्या का कारण वेणुगोपाल और मृतक श्रीनिवास के बीच पुरानी रंजिश समझी जा रही है। इससे पहले श्रीनिवास ने कथित तौर पर भूमि विवाद को लेकर वेणुगोपाल पर हमला करवाया था। वेणुगोपाल हमले में बुरी तरह से घायल हो गया था और उसकी सर्जरी हुई। हमले के बाद वेणुगोपाल की पत्नी ने उसे छोड़ दिया था। जिससे खिन्न होकर वेणगोपाल ने श्रीनिवास से बदला लेने का मन बना लिया थ।

बताया जा रहा है कि जब श्रीनिवास को उन पर हमला होने की बात का पता चला तो उसने एक बार फिर वेणुगोपाल पर हमला कर दिया और उसके घर में आग लगा दी। हालाँकि श्रीनिवास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, लेकिन उन्हें बरी कर दिया गया था। इसके बाद, श्रीनिवास ने अपने सहयोगियों से कहा कि वह वेणुगोपाल का खात्मा कर देंगे।

श्रीनिवास की मंशा जानने के बाद वेणुगोपाल ने हमला होने से पहले ही उसकी हत्या करने का फैसला किया। वेणुगोपाल को यह भी संदेह था कि उसके भतीजे की मौत के पीछे कांग्रेस श्रीनिवास का हाथ था। जिसकी चार साल पहले एक सड़क दुर्घटना में मौता हो गयी थी। श्रीनिवास की हथियारबंद लोगों के एक समूह ने उस समय हत्या कर दी जब वह सोमवार को श्रीनिवासपुर शहर के बाहरी इलाके होगलागेरे में एक निर्माण स्थल पर काम का निरीक्षण करने गए थे। उन्हें कोलार के एक अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वह कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर और कर्नाटक के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष केआर रमेश कुमार के करीबी सहयोगी थे। गृह मंत्री परमेश्वर ने कल अस्पताल का दौरा किया और विरोध के बीच आश्वासन दिया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पालक्काड के सिनेमाघर में प्रशंसकों की भारी भीड़ जुटने से फिल्मकार लोकेश कनकराज घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालक्काड। तमिल फिल्मों के निर्देशक लोकेश कनकराज पालक्काड स्थित एक सिनेमाघर में मंगलवार को अपनी फिल्म 'लियो' के प्रचार के दौरान चोटिल हो गए। सिनेमाघर में प्रशंसकों की भारी भीड़ जुटने के कारण कनकराज के पैर में मामूली चोट लग गई। यह घटना यहां अरोमा सिनेमाघर में दोपहर के आसपास हुई और इसके बाद उन्होंने अपने बाद के कार्यक्रम रद्द कर दिए। पालक्काड के बाद उन्हें त्रिशूर के रागम सिनेमाघर और बाद में कोच्चि के कविता सिनेमाघर में अपने प्रशंसकों को संबोधित करना था।

लोकेश कनकराज के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई–भाषा से कहा, उन्होंने पालक्काड के ही एक अस्पताल में चिकित्सक से परामर्श किया और बाद में कोयंबटूर के लिए रवाना हो गए। वह वहीं ठह सकते हैं, या आगे के इलाज के लिए चेन्नई रवाना हो सकते हैं। इस बीच, पुलिस ने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने मामूली लाठीचार्ज किया।

लोकेश कनकराज ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, केरल, आपके प्यार के लिए धन्यवाद... पालक्काड में आप सभी को देखकर अभिभूत और आभारी हूं। भीड़ में एक छोटी सी चोट लगने के कारण मैं अन्य दो आयोजन स्थलों और प्रेस वार्ता में नहीं पहुंच सका। मैं निश्चित रूप से जल्द ही फिर से केरल में आप सभी से मिलने आऊंगा।

बेंगलूरु से सिंगापुर के बीच एयर इंडिया की सीधी उड़ान सेवा शुरू

बेंगलूरु। एयर इंडिया ने बेंगलूरु और सिंगापुर के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू की है। एयरलाइन ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि यह उड़ान सेवा 22 अक्टूबर से शुरू हुई है। यह उड़ान एआई 392 बेंगलूरु से रात 10.30 बजे प्रस्थान कर सिंगापुर अगले दिन तड़के 5.40 बजे पहुंचेगी। वहां से वापसी उड़ान एआई 393 सुबह 6.40 बजे चलकर बेंगलूरु में 8.35 बजे (सभी स्थानीय समय) पहुंचेगी।

यह उड़ान एयरबस ए321 विमान द्वारा संचालित की जाएगी। इसमें '170 इकनॉमी' और '12 बिजनेस' श्रेणी की सीटें होंगी। उड़ान का परिचालन सप्ताह में चार दिन सोमवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार और रविवार को किया जाएगा। कंपनी ने बयान में कहा कि नए संपर्क से दोनों शहरों के बीच पर्यटन और कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और इससे यात्रियों, विद्यार्थियों और कारोबारियों को मदद मिलेगी। एयर इंडिया ने मुंबई से सिंगापुर के बीच उड़ानों के फेरे सप्ताह में सात से बढ़ाकर 13 कर दिए हैं।

मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शहर के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में दशहरा के मौके पर माता जगत् अम्बा दुर्गा को भावभीनी विदाई दी गई। विजयदशमी के दिन विभिन्न बंगाली और बिहारी समाज की महिलाओं ने दिन में सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को विदाई दी।बंगाली समाज की महिलाओं द्वारा आज सिंदूर खेला का आयोजन किया गया, जिसमें समाज की महिलाएं पूरे पारंपरिक वेशभूषा में एक दूसरे को सिंदूर लगाते हुए नजर आई। नवरात्र की दशमी के दिन मां दुर्गा को विदाई दी जाती है। सिंदूर का बंगाली समाज की महिलाओं में काफी महत्व होता है, यही वजह है कि आज हमलोग सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को विदाई दे रहे हैं। जिस तरह से बेटी अपने मायके से विदा होती है, उसी तरह से आज मां दुर्गा की हमलोग विदाई कर रहे हैं। एक तरफ जहां मां की विदाई का दुख है, वहीं अगले वर्ष मां दुर्गा जल्दी आए, इसकी हमें खुशी भी है। इसके अलावा मां दुर्गा से हमलोगों ने यह प्रार्थना की है कि आज विश्व में कई देश एक दूसरे से लड़ रहे हैं, जिसकी वजह से लोगों में भय का माहौल है। पूरे विश्व में शांति आए और लोगों के मन से भय का वातावरण खत्म हो, इसी उद्देश्य के साथ हमलोगों ने पूजा अर्चना की है।

सभी पंडालों में दशहरा के मौके पर मां दुर्गा की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद नाच–गाकर महिलाओं ने मां दुर्गा को विदाई दी। सुबह की पूजा के बाद माता के विसर्जन की तैयारियां शुरु हो गई। ढोल नगाड़े के साथ माता को धूमधाम से पूजा कर अलसूर लेक की ओर ले जाया गया। जहां उनका विसर्जन हुआ। अलसूर लेक पर विभिन्न प्रांतों से यहां के प्रवासी महिलाओं और पुरुषों ने नम आंखों के साथ माता का विसर्जन किया।

बीबीएमपी के द्वारा अलसूर लेक में एक कैन और एक लिफ्टर की मदद से माताजी की प्रतिमाओं को यहां बने एक कल्याणी में विसर्जित किया गया। प्रशासन की ओर से उम्दा व्यवस्था की गई। सभी मंडलों ने एक एक कर लाइन में आकर मूर्ति विसर्जित कीं। पुलिस प्रशासन एवं अन्य बीबीएमपी के कर्मचारियों ने विसर्जन की पूरी व्यवस्था संभाल रखी थी। मां के जयकारों से पूरा अलसूर क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था।

क्षेत्ररक्षण के दौरान टीम ने कोई जज्बा नहीं दिखाया : बाबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अफगानिस्तान से मिली करारी हार के बाद विश्व कप से बाहर होने की कगार पर पहुंचे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनके खिलाड़ियों में क्षेत्ररक्षण के दौरान जज्बे की कमी दिखी और टीम को इस विभाग में अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है। टूर्नामेंट में लगातार दो जीत के साथ शुरुआत करने के बाद सोमवार को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। इस आश्चर्यजनक हार ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंचा दिया है क्योंकि सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित करने के लिए उसे अपने बाकी सभी चार मैच जीतने होंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ इस मैच में पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने बेहद खराब क्षेत्ररक्षण किया।

बाबर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, आप जब भी क्षेत्ररक्षण करते हैं तो जज्बे के साथ ही करते हैं। मुझे टीम की ओर से कोई रवैया नजर नहीं आया। आपको गेंद पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, अन्य विचारों पर नहीं। जब गेंद आती है, तो एक क्षेत्ररक्षक के रूप में आपको सक्रिय रहना होगा। ऐसे में मुझे लगता है कि एक क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में हम थोड़ा पीछे चल रहे हैं। पाकिस्तान की टीम शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो यह उसके लिए करो या मरो' जैसा मैच

होगा। बाबर ने कहा कि उनकी टीम को बाकी मैचों में नये दृष्टिकोण की जरूरत है।

कप्तान ने कहा, हमें एक अलग योजना, एक अलग मानसिकता के साथ मैदान में उतरना होगा। हम टीम में सकारात्मक माहौल लाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम इस हार (अफगानिस्तान के खिलाफ) से सीखेंगे। इससे हमें काफी निराशा हुई है। हम सकारात्मक चीजों के बारे में बात करने की कोशिश करेंगे।

बाबर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम हम मैच में किसी न किसी विभाग में फिसड्डी रही है। उन्होंने कहा, कभी–कभी, हम गेंदबाजी में अच्छा करते हैं, (लेकिन) हम बल्लेबाजी में अच्छा नहीं करते हैं। जब हम बल्लेबाजी में अच्छा करते हैं, तो हम क्षेत्ररक्षण में अच्छा नहीं करते हैं। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से एक माना जाता है, लेकिन वह इस टूर्नामेंट में उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है और आसानी से रन लुटा रहा है।

बाबर ने स्वीकार किया कि तेज गेंदबाज नसीम शाह की अनुपस्थिति से टीम को काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, हमें नसीम की कमी खल रही है। लेकिन इसके अलावा हमारी गेंदबाजी लाइनअप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ में से एक है। मुझे लगता है कि चल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम के लिए खोने के लिए कुछ भी नहीं है और वे बाकी मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से हारने के बाद टीम का आत्मविश्वास डगमगाया है, बाबर ने कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। ऐसा नहीं है। हमने ऑस्ट्रेलिया के मैच में देखा है। हमने लगभग 300 रन बनाये थे गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में टीम की शानदार वापसी कराई थी। मुझे नहीं लगता कि हमारे पास अब खोने के लिए कुछ है। हम हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं।

सरदारपुरा क्षेत्र में पिछले चालीस वर्ष से मिल रहा है लोगों का प्यार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि जोधपुर के सरदारपुरा क्षेत्र में उन्हें पिछले करीब 40 सालों से लोगों का प्यार और आर्शीवाद मिल रहा हैं और यही उनकी ताकत है। आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में फिर से जोधपुर के सरदारपुरा से पार्टी उम्मीदवार घोषित होने के बाद अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे गहलोत ने अपने चुनाव प्रचार के दूसरे दिन मंगलवार को मीडिया से यह बात कही। दो दिनों में उनके स्वागत के लिए जिस तरह लोग उमड़ रहे है और उत्साहित है, उससे खुश मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे उन्हें शगुन मिला है और अब वह इस शगुन को लेकर प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए जायेंगे।

उन्होंने दशहरे पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह भाग्यशाली है कि जब पहली बार सांसद बने तब से क्षेत्र में लोगों का आर्शीवाद मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह छोटे बच्चों में जो उत्साह दिख रहा है और उनमें मेरे प्रति जो भाव एवं प्यार हैं, यह पिछले 40 सालों से चला आ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेशवासियों का उनके प्रति प्यार, दुलार एवं आशीर्वाद है और उनका आशीर्वाद होगा तभी तो मैं चुनाव में प्रचार कर पाऊंगा।

उन्होंने कहा कि जोधपुरवासियों से प्यार एवं दुलार है और मतदाताओं से पूछ लिया गया है कि उनका आर्शीवाद हो तो वह चुनाव प्रचार के लिए अन्य जगहों पर जाये, यहां के लोगों ने यह ईजाजत दे दी और अब वह प्रदेश के अन्य हर क्षेत्र में चुनाव प्रचार के लिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि सरदारपुरा क्षेत्र में इन दो दिनों करीब करीब सभी जगहों कवर कर लिया गया है और कुछ स्थान रह गए उन्हें बाद में बीच में कभी आकर कवर किया जायेगा लेकिन इन दो दिन में उन्हें जो प्यार एवं शगुन मिला है उसे लेकर वह पूरे प्रदेश में जायेंगे।

गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में सुशासन देने के साथ कानून पास किये और एक से बढ़कर एक कई ऐतिहासिक योजनाएं दी है, जिनका प्रदेश के लोगों को फायदा और राहत पहुंची है। उन्होंने कहा कि उनकी कांग्रेस सरकार का हर कदम गरीब, दलित एवं पिछड़ों के लिए हैं चाहे वे किसी भी वर्ग के हो। गरीब को गणेश मानकर काम किया जा रहा हैं।

प्रचार में लोगों के उमड़ने से काफी खुश नजर आ रहे गहलोत ने सोशल मीडिया पर भी कहा हर दिल की आवाज़, अबकी नया रिवाज़ । उन्होंने कहा कि काम किया है दिल से इसीलिए विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा के हर दिल से बस यही आवाज़ सुनाई दी कि कांग्रेस फिर से । उन्होंने कहा कि अपने विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा में मिल रहा लोगों का यह अपनापन, प्यार और सद्भाव ही उनके जीवन का ईंधन है।

उन्होंने कहा कि सरदारपुरा की मिट्टी की सोंधी सुगंध हमेशा अव्वल राजस्थान की सौगंध को मजबूती देती है। उन्होंने वार्ड संख्या 80 में लोगों से बचत, राहत एवं बढ़त के लिए कांग्रेस को मत देने का अनुरोध किया। इससे पहले उन्होंने सरदारपुरा स्थित मंडोर गेस्ट हाउस में वार्ड संख्या 79 के लोगों की कुशलक्षेम जानी और इस दौरान बुजुर्गों, युवाओं एवं सभी वर्गों से हाथ पर बटन दबाकर अव्वल राजस्थान पर मुहर लगाने का आग्रह किया।

बस के खाई में पलट जाने से दो यात्रियों की मौत

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कोटड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क से उतरकर खाई में पलट जाने से एक महिला सहित दो यात्रियों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। कोटड़ी पुलिस उपाधीक्षक श्याम सुंदर विश्नोई ने बताया कि सुबह भीलवाड़ा से एक निजी बस यात्री लेकर जहाजपुर के लिए रवाना हुई और करीब दस बजे कोटड़ी थाने के सातोलाखेड़ा क्षेत्र में आनंदा होटल के नजदीक बस को गड्ढे से बचाने की कोशिश में अनियंत्रित होकर सड़क से उतरते हुए खाई में पलट गई। हादसे के बाद मौजूद लोगों ने घायलों को बस से निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवा दिया।

मुलाकात

जयपुर के विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के मुरलीपुरा में सिंधी पंचायत कार्यक्रम में शिरकत करती भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी।

दांतारामगढ़ सीट पर पति पत्नी में हो सकता है चुनावी मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की दांतारामगढ़ विधानसभा सीट पर मुकाबला रोचक हो सकता है। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने इस सीट पर रीटा चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि उनके पति और मौजूदा विधायक वीरेंद्र सिंह को कांग्रेस फिर टिकट दे सकती है। कांग्रेस ने अलवर की रामगढ़ सीट से मौजूदा विधायक साफिया जुबेर को टिकट देने से इनकार कर इस बार उनके पति और पूर्व विधायक जुबेर खान को उम्मीदवार बनाया है। राज्य की सभी 200 सीटों के लिए मतदान 25 नवंबर को होगा जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी। कांग्रेस ने राजस्थान में उम्मीदवारों की दो सूची में कुल 76 प्रत्याशी घोषित किए हैं। पार्टी ने दांतारामगढ़ के लिए अभी उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सात बार के विधायक नारायण सिंह के बेटे वीरेंद्र सिंह का परिवार पारंपरिक रूप से कांग्रेस के साथ रहा है। उनकी पत्नी रीटा अगस्त में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) में शामिल हो गईं और उन्हें पार्टी की महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। रीटा चौधरी ने 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले दांतारामगढ़ से कांग्रेस की टिकट मांगी थी लेकिन पार्टी ने उनके पति को उम्मीदवार बनाया।

सीकर की जिला प्रमुख रीटा तभी से इलाके में अपने राजनीतिक आधार को मजबूत कर रही थीं और उन्होंने जेजेपी में शामिल होकर कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। जेजेपी ने सोमवार को छह उम्मीदवारों की सूची जारी की जिनमें रीटा का भी नाम था। रीटा ने कहा, 'मैंने अपने दिल की सुनी, मुझे जो सही लगा वह किया और जेजेपी में शामिल हो गई। मैं लोगों के बीच रही हूं, जब उन्हें मेरी जरूरत थी तब मैं उनके साथ खड़ी रही और इसलिए लोगों ने मुझे और मेरे फैसले को स्वीकार किया है।'

उन्होंने कहा, लोग खुश हैं क्योंकि वे बदलाव चाहते हैं। अब पार्टी ने मुझे दांतारामगढ़ सीट से उम्मीदवार बनाया है और मुझे अपनी जीत का भरोसा है। अपने पति के साथ राजनीतिक मुकाबले के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा, कांग्रेस ने अभी तक दांतारामगढ़ से अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, इसलिए मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती, लेकिन लोग बदलाव चाहते हैं। चौधरी ने कहा कि वह विकास, पानी की समस्या और बेरोजगारी समेत अन्य मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगी। वहीं उनके पति वीरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव उनके बीच सीधी लड़ाई होगा। उन्होंने कहा, जेजेपी ने रीटा को मैदान में उतारा है और मुझे भी दोबारा टिकट मिलने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में, यह निश्चित रूप से पति-पत्नी के बीच सीधा मुकाबला होगा।

वीरेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और नए स्कूल जैसी कई कल्याणकारी परियोजनाएं शुरू कीं और वह विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे। वीरेंद्र सिंह को 2018 में कांग्रेस का टिकट मिला। उनके पिता नारायण सिंह इस सीट से सात बार 1972, 1980, 1985, 1993, 1998, 2003 और 2013 में जीते। दांतारामगढ़ सीट पर जाट मतदाताओं का दबदबा है। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत 1951 में पहली बार इस सीट से चुने गए थे। रामगढ़ सीट से कांग्रेस का टिकट दुबारा नहीं मिलने पर मौजूदा विधायक साफिया जुबैर ने कहा कि कांग्रेस द्वारा उनके पति को चुनना एक अच्छा निर्णय है।

हुडला को टिकट देने से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में आक्रोश

दौसा/दक्षिण भारत । महुआ विधायक ओम प्रकाश हुड़ला को कांग्रेस का टिकट देने पर कार्यकर्ताओं में दावेदारों ने पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी होने के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में निर्दलीय विधायक ओम प्रकाश हुड़ला के खिलाफ भारी रोष फैल गया। जगह-जगह गांव करबे में हुड़ला का विरोध शुरू हो गया। महवा उपखंड मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं सहित कांग्रेस का टिकट मांग रहे अजीत सिंह महआ, अजय बोहरा, रामनिवास गोयल, एडवोकेट भंवर सिंह गुर्जर, एडवोकेट घनश्याम अवस्थी ने नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। हुड़ला का टिकट निरस्त कर किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता को टिकट देने की मांग की। टिकट निरस्त नहीं किया गया तो 26 अक्टूबर को सभी कार्यकर्ता आगामी रणनीति तैयार करेंगे। इस अवसर पर बबलू सैनी, कमला, केसर, जगदीश भारद्वाज, बच्चू सरपंच, हरिओम दिक्षित, अशोक पाली, रतन वकील, सादिक, शरीफ, मानसिंह गुर्जर, फारूक, हसनुद्दीन, गबरू, हरिओम हांडली, मुकेश वशिष्ठ, रामराज गुर्जर मौजूद रहे।

कहासुनी के बाद बदमाशों ने एक व्यक्ति पर हमला किया, मौत

जयपुर। जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में बीती रात आपसी कहासुनी के बाद चार पांच बदमाशों ने एक युवक पर हमला कर दिया जिसमें उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी धर्म सिंह चौधरी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात कालवाड़ इलाके के एक होटल के पास रामलाल गुर्जर (46) की कुछ बदमाशों से कहासुनी हो गयी। जब वह देर रात घर लौट रहा था तो बदमाशों ने उस पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चार पांच बदमाशों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) रामसिंह ने बताया कि युवक के परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग कर रहे थे।

उद्घाटन

चूरू में मंगलवार को रीको इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट और चूरू के वार्ड नंबर 18 में नया बास स्थित विश्वकर्मा डेंटल क्लिनिक का शुभारंभ नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़।

गलती से गोली चलने से सीआईएसएफ जवान की मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में मंगलवार को चलती गाड़ी में गलती से राइफल से गोली चलने से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। फतेहपुर कोतवाली के प्रभारी इंद्राज मरोदिया ने बताया कि सीआईएसएफ जवान देवी लाल विधानसभा चुनाव की ड्यूटी में लगे उड़नदस्ते में शामिल था। वह शिविर लौट रहा था कि कैंप से बमुश्किल 100 मीटर पहले यह घटना हुई। उन्होंने कहा, जवान ने राइफल अपने घुटनों के बीच रखी थी कि अचानक दुर्घटनावश गोली चल गई।

विधानसभा चुनाव

कांग्रेस और भाजपा के लिए आसान नहीं है सीकर-खंडेला सहित 5 सीटों पर पेंच सुलझाना

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

सीकर। सीकर जिले की पांच सीटें कांग्रेस और दो सीटें भाजपा के लिए पहेली बनी हुई हैं। इन सीटों पर दोनों ही पार्टियां अपने अपने प्रत्याशी अभी तक तय नहीं कर पाई हैं। कांग्रेस को सीकर, धोद, खंडेला, दांतारामगढ और श्रीमाधोपुर क्षेत्र में अभी उम्मीदवार तय करने हैं तो भाजपा को सीकर और खंडेला में उम्मीदवारों का चयन करना है।

फूंक-फूंक कर कदम रख रही कांग्रेस शेखावाटी जनपद के सीकर जिले की आठों सीटें फिर से जीत कर इतिहास दोहराना चाहती है तो भाजपा इस बार हर हाल में कांग्रेस के गढ़ को नेस्तनाबूद करने की जुगत में है। इसी बीच दूसरे छोटे दल कांग्रेस और भाजपा की योजनाओं को खटाई में डालना चाह रहे हैं। जिला मुख्यालय की इस सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों ने अभी तक अपना अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

मजे की बात है, दोनों ही सियासी दलों में टिकटार्थियों की लंबी फेहरिस्त है, जिसमें कुछ को छोड़ दें तो शेष बेगानी शादी के अब्दुल्ला दीवाना हो रखे हैं।कांग्रेस में प्रमुख दावेदार वर्तमान विधायक राजेंद्र पारीक हैं जो आठवीं बार पंजा लेकर आना चाहते हैं लेकिन वरिष्ठता के बावजूद उनको टिकट के लिए अब की बार भी काफी कसरत करनी पड़ रही है। हालांकि टिकट का दावा करने वाले अन्य टिकटार्थी उनकी वरिष्ठता के आगे नहीं टिक पा रहे हैं, बावजूद इसके उनकी टिकट की राह में ही कांटे बिछे हुए हैं। दरअसल उनका विकास ही दुश्मन बन गया है। सीकर शहर को नगर परिषद के कामकाज के दम पर सपनों का शहर बनाने वाले पारीक के लिए टिकट मानो मृगमरीचिका बन चुकी है।

सियासी दांवपेंच समझने वाले कहते हैं कि बेदाग छवि वाले पारीक की नगर परिषद में दिखाई गई अति सक्रियता अभिशाप के रूप में साबित हो रही है। सीकर से कांग्रेस का उम्मीदवार कौन होगा इसका तो फैसला आने वाले सप्ताह में हो जायेगा परंतु इतना जरूर है कि इस सीट के जातीय समीकरण को किसी भी रूप में बिगाड़ने की कुचेष्टा कांग्रेस के लिए आत्मघाती कदम होगा। 80 के दशक से इस सीट पर चाहे जीत कांग्रेस की रही हो या फिर भाजपा की, लेकिन जीत का वरण ब्राह्मण जाति के प्रत्याशी ने ही किया है। यह खास बात है।टिकट देने का फैसला करते समय यह बात बिल्कुल भी नहीं भूलनी चाहिए। जिस भी दल ने इस गणित को बिगड़ने की कुचेष्टा की उसे हार का स्वाद चखना पड़ सकता है। कहा त.यह जा रहा है कि चाल, चरित्र और चेहरा साफ रखने का दावा करने वाली भाजपा में भी टिकट के कई दावेदारों ने थैली का मुंह खोल रखा है, ऐसी राह के बिना टिकट की चाहत रखने वाले कर्मठ कार्यकर्ता दौड़ में पिछड़ गए हैं और चर्चा किसी खास की होने लगी है।

खंडेला विधानसभा क्षेत्र ऐसा है जहां कांग्रेस और भाजपा दोनों ने ही अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। हालांकि जेजेपी ने सरदारसिंह आर्य को अपना प्रत्याशी तय कर दिया है। पिछले चुनाव में कांग्रेस का फैसला गलत साबित हुआ था। तब महादेव सिंह खंडेला की टिकट काट दी गई थी जिस पर खंडेला ने निर्दलीय ताल ठोक कांग्रेस को यहां से बैरंग लौटा दिया था। यह दूसरा मौका था जब खंडेला ने कांग्रेस के फैसले को गलत सिद्ध किया। इसके पूर्व 1993 के चुनाव में भी उनको टिकट से वंचित रखा गया था, इसके बावजूद दोनों ही मौकों पर खण्डेला ने कांग्रेस से नाता बनाये रखा। गत पांच वर्षों में महादेव सिंह ने पूरी सिद्दत के साथ इलाके में पंजे

को मजबूत रखा। अब सवाल है कि कांग्रेस के जिम्मेदार लोग टिकट के मामले में उनको कितनी तव्वजो देते हैं? दरअसल खण्डेला अपने पुत्र व प्रधान गिरिराज को टिकट दिलाना चाहते हैं लेकिन आलाकमान के रवैया के कारण नेताओं के बेटे बेटियों को टिकट नहीं मिलने की संभावना के चलते उन्हें कोई दूसरा फैसला भी लेना पड़ सकता है। हो सकता है महादेव एक बार फिर चुनावी संघर्ष में कूद जाएं। मतलब साफ है कि 43 वर्षों से खंडेला की सींची हुई सियासत को वे किसी बाहर वाले के सहारे छोड़ना भी तो नहीं चाहेंगे। उधर भाजपा में भी टिकट को लेकर काफी मंथन हो रहा है। यहां बंशीधर बाजिया टिकट के प्रमुख दावेदार हैं लेकिन आलाकमान को यह भी पता है कि अब उनकी डोर ढीली हो चली है, जिसके चलते पार्टी इस सीट को खोना नहीं चाहती। ऐसे में यहां उम्मीदवार सोच समझकर ही तय होगा।सत्ता की गलियों में यह भी चर्चा आम है कि फैसला अनुकूल न होने पर यहां बगावत का नगाड़ा बजते भी देर नहीं लगेगी। श्रीमाधोपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने झाबर सिंह खर्रा को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है लेकिन कांग्रेस को अभी अपना उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारना बाकी है। वर्तमान विधायक दीपेंद्रसिंह शेखावत स्वास्थ्य कारणों को लेकर अब की बार चुनाव लड़ने में अपनी असमर्थता जाहिर कर चुके हैं।

इसके कारण कांग्रेस को यहां एक जिताऊ और टिकाऊ प्रत्याशी की बड़ी शिद्दत के साथ तलाश है। हालांकि शेखावत के सुपुत्र बालेंद्र सिंह यहां से उम्मीदवार बनने के लिए पिछले काफी समय से सक्रिय हैं लेकिन आलाकमान का बेटा बेटियों को टिकट न देने का फैसला यहां भी आडे. आ रहा है। ऐसे में शेखावत को अपनी वर्षों से जमी जमाई सियासत को सदा सदा के लिए त्यागना पड़ेगा या फिर उन्हें बीमारी को भुलाकर एक बार फिर चार दशकों की अपनी सियासत को बचाए रखना होगा, यह देखना है। हालांकि हालात कांग्रेस के लिए ज्यादा खुशनुमा नहीं हैं।

धोद विधानसभा क्षेत्र में भी कांग्रेस के लिए मौजूदा विधायक परसराम मोरदिया के चुनाव न लड़ने की इच्छा के बाद यहां उम्मीदवार तय करना खांढे की धार के समान है। इस सीट पर भी मोरदिया के पुत्र राकेश मोरदिया के चुनाव लड़ने की चर्चा है पर सवाल यह है कि जब आलाकमान बड़े नेताओं की संतानों को टिकट न देने का फैसला ही कर चुकी है तो यहां राकेश का चुनाव लड़ना कैसे संभव होगा?

श्रीमाधोपुर और खंडेला की तरह ही नेताजी को यहां से अपनी विरासत को बचाए रखने के लिए खुद मैदान में उतरना पड़ सकता है। ऐसा न होने पर जिस प्रत्याशी का चयन होगा उस पर मोरदिया की मोहर जरूर लगेगी। भाजपा ने गोवर्धन वर्मा और माकपा ने पेमाराम को उम्मीदवार घोषित कर इलाके में पहले से ही बढ़त बना रखी है।

दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र भाजपा के लिए सदैव से अमंगलकारी रहा है। यहां बीजेपी का आज तक विधायक नहीं बना है। इस बार भाजपा ने अपनी पहली सूची में गजानंद कुमावत को उम्मीदवार घोषित कर कमल खिलाने के प्रयास शुरू किए हैं जबकि कांग्रेस ने अभी तक उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

यहां वर्तमान में वीरेंद्र सिंह विधायक हैं जो कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नारायण सिंह के पुत्र हैं। उनका नाम कांग्रेस की अभी तक जारी सूची में नहीं आने से सियासी हल्कों में हैरानी का सबब बना हुआ है।दरअसल अब की बार विधायक वीरेंद्र के खिलाफ उनकी धर्मपत्नी व पूर्व जिला प्रमुख डॉ.रीटा सिंह जेजेपी से चुनाव मैदान में मुकाबला करने उतर आई है।

इसके अलावा युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा भी अपने दिल्ली कनेक्शन के चलते वीरेंद्र सिंह की उम्मीदवारी को असहज किए हुए हैं। माकपा के वरिष्ठ नेता कामरेड अमराराम पहले से ही क्षेत्र में अपनी जाजम बिछा चुके हैं. जो अभी नहीं तो कभी नहीं की कहावत को चरितार्थ करते हुए क्षेत्र में सक्रिय हैं। बहरहाल वीरेंद्र के कांग्रेस से फिर से उम्मीदवार बनने पर मुकाबला काफी रोचक होगा। जब पति-पत्नी आमने-सामने होंगे तो नतीजा किसी ओर चला जायेगा यह कहना आज मुश्किल है।

कुल मिलाकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ही सियासी दलों के लिए इन क्षेत्रों में उम्मीदवार का चयन करना टेडी खीर है क्योंकि जहां भी चूक हुई वहां नतीजे उल्टे होते देर नहीं लगेगी।

राजनाथ सिंह ने दशहरा पर तवांग में शस्त्र पूजन किया, सैनिकों की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शस्त्र पूजन किया और एक अग्रिम सैन्य स्थल पर सेना के जवानों के साथ दशहरा मनाया। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की सैन्य तैयारियों की व्यापक समीक्षा की और अटूट प्रतिबद्धता और अद्वितीय साहस के साथ सीमा की रक्षा करने के लिए सैनिकों की सराहना की।

बुम-ला और कई अन्य अग्रिम चौकियों का दौरा करने के बाद सैनिकों के साथ बातचीत में सिंह ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सिंह ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर सैनिकों के साथ दशहरा ऐसे समय मनाया है जब भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले कुछ स्थानों पर तीन साल से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है।

तवांग में सैनिकों के साथ शस्त्र पूजा (हथियारों की पूजा) करने के बाद, उन्होंने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

रक्षा मंत्री तवांग युद्ध स्मारक भी गए, जहां उन्होंने चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को पुष्पांजलि और श्रद्धांजलि अर्पित की।

तवांग बौद्ध धर्म का केंद्र है और महत्वपूर्ण रणनीतिक महत्व वाला प्रमुख क्षेत्र है। भारत पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढांचे को बढ़ा रहा है। पिछले साल नौ दिसंबर को तवांग सेक्टर के यांग्त्से में एलएसी पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। उन्होंने कहा, आप कठिन परिस्थितियों में जिस तरह से सीमा की रक्षा कर रहे हैं, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि देश के लोगों को आप पर गर्व है।

रक्षा मंत्री ने कठिन परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा करते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि राष्ट्र और उसके लोग सुरक्षित हैं, सैनिकों के प्रति उनकी 'दृढ़ भावना, अटूट प्रतिबद्धता और अद्वितीय साहस' के लिए आभार व्यक्त किया।

सत्ता में आए तो 'दरबार मूव' का फैसला पलट देंगे : बुखारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/वार्ता। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने मंगलवार को सत्ता में आने पर 'दरबार मूव' के फैसले को पलटने का वादा किया। 'दरबार मूव' जम्मू-कश्मीर के सचिवालय और अन्य सभी सरकारी कार्यालयों को एक राजधानी से दूसरे शहर-जम्मू में शीतकालीन राजधानी तथा ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में द्वि-वार्षिक स्थानांतरण को दिया गया नाम है, जो 1872 से 2021 तक संचालित था। वर्ष 2021 में हालांकि अधिकारियों ने इस प्रथा को रोक दिया और कहा कि चूंकि प्रशासन ने ई-ऑफिस का परिवर्तन पूरा कर लिया है, इसलिए सरकारी कार्यालयों के द्विवार्षिक 'दरबार मूव' की प्रथा को जारी रखने की कोई आवश्यकता नहीं है।

अधिकारियों ने यहां तक कहा कि 'दरबार मूव' खत्म होने से सरकारी खजाने में 200 करोड़ रुपए की बचत होगी, डोगरा शासक महाराजा रणबीर सिंह ने 1872 में 'दरबार मूव' की प्रथा शुरू की थी।

बुखारी ने मंगलवार को कहा कि वह 'दरबार मूव' पर सरकार के फैसले को पलट देंगे। उन्होंने एक्स पर कहा, जम्मू और कश्मीर अपनी पार्टी 'दरबार मूव' के फैसले को बंद करने के फैसले को पलटने की जम्मू के लोगों की वैध मांग का पूरी तरह से समर्थन करती है। उन्होंने कहा, यह रिकॉर्ड में रखा जाए कि सत्ता में आने के बाद अपनी पार्टी इस मामले को प्राथमिकता पर लेगी।

श्रीनाथ जी की विशेष पूजा से हुई गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी उत्सव की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी उत्सव की शुरुआत मंगलवार सुबह श्रीनाथ जी (गुरु गोरखनाथ के रूप में भगवान शिव के अवतार) को समर्पित एक विशेष पूजा के साथ हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरक्षपीठाधीश्वर की पोशाक पहनकर परंपरा का पालन करते हुए श्रीनाथ जी की पूजा-अर्चना की।

मंदिर प्रशासन के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी की पूजा के बाद मंदिर में सभी देवताओं के लिए एक विशेष पूजा-अर्चना भी की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी और मंदिर में सभी देव प्रतिमाओं की परिक्रमा की तथा राज्य के लोगों की भलाई एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में नाथ संप्रदाय के पारंपरिक वाद्ययंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट और डमरू की गूंज रही। इससे माहौल भक्तिमय हो गया।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में विजयादशमी के दौरान विशेष पूजा की प्रक्रिया के एक भाग के रूप में गौ-सेवा भी की। उन्होंने गाय को तिलक लगाया और घास, गुड़ तथा अन्य प्रसाद खिलाते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इसने बताया कि गोरक्षपीठाधीश्वर ने भीम सरोवर की भी पूजा की और इसमें मौजूद मछलियों को दाना खिलाया।

भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हुआ 'हामून'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। चक्रवाती तूफान 'हामून' भीषण चक्रवात में तब्दील हो गया है, लेकिन इससे ओडिशा में कोई बड़ा प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है क्योंकि यह लगभग 200 किलोमीटर की दूरी से राज्य के तट को पार करेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा, अगले कुछ घंटों में 'हामून' के और अधिक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होने का अनुमान है, क्योंकि यह बंगाल की खाड़ी में 21 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ेगा।

बुलेटिन के मुताबिक, इसके बाद उत्तर-पूर्व की तरफ बढ़ते हुए 'हामून' के धीरे-धीरे कमजोर होने और 65-75 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चक्रवाती तूफान के रूप में खेपुपारा और चटगांव के बीच बांग्लादेश तट को पार करने की संभावना है।

बुलेटिन में कहा गया कि 'हामून' मंगलवार सुबह 5.30 बजे पारादीप (ओडिशा) से लगभग 230 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, दीघा (पश्चिम बंगाल) से 240 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व, खेपुपारा (बांग्लादेश) से 280 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और चटगांव (बांग्लादेश) से 410 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, समुद्र से गुजरने वाला चक्रवात ओडिशा तट से लगभग 200 किलोमीटर दूर रहेगा।

देश को तोड़ने की इच्छा रखने वाली ताकतों से लड़ रही है भाजपाः तोमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लड़ाई उन ताकतों के खिलाफ है जो सनातन धर्म को नष्ट करना और देश को तोड़ना चाहती है। तोमर मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में भाजपा के मीडिया सेंटर का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

मप्र में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा ने तोमर को राज्य के मुरैना जिले की दिमनी विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है। तोमर ने कहा कि हमारी लड़ाई सिर्फ कांग्रेस के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन ताकतों के खिलाफ भी है जो देश को तोड़ना और सनातन धर्म को नष्ट करना चाहती हैं। तोमर ने कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनावों के लिए पूरे साल तैयारी की और बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां तय की गई हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी चुनाव जीतेगी और मध्य प्रदेश में सरकार बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि हर कोई जानता है कि कांग्रेस केवल 'झूठ' के आधार पर चुनाव मैदान में है। उन्होंने कहा कि 2003 से पहले कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में 10 साल तक शासन किया था और 2014 से पहले पार्टी केंद्र में सत्ता में थी, लेकिन कांग्रेस के पास अपने कार्यकाल के दौरान की ऐसी कोई उपलब्धि नहीं है, जिसे वह जनता को दिखा सके। तोमर ने दावा किया कि कांग्रेस ने कोई विकास कार्य नहीं किया और अब वह झूठे वादे कर रही है और अपनी उपलब्धियों के बारे में बात नहीं कर रही है।

35 लाख ठगने का आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। वायु सेना के सेवानिवृत्त अधिकारी से 35 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को ओडिशा के भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 19 अक्टूबर को पूर्व अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपी को केंद्रपाड़ा जिले के पट्टामुंडई इलाके में उसके आवास से हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए भुवनेश्वर ले जाया गया। भुवनेश्वर जोन-5 के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) गौतम किशन ने सोमवार को बताया कि पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस साल जून और सितंबर के बीच ऑनलाइन लेनदेन के माध्यम से उनके बैंक खातों से 35 लाख रुपए निकाल लिए गए।

पांडियन को कैबिनेट मंत्री का दर्जा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के पूर्व सहयोगी वी के पांडियन को कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ '5 टी' (परिवर्तनकारी पहल) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एक अधिसूचना में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। पांडियन के सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के 24 घंटे से भी कम समय में उनकी यह नियुक्ति हुई है।

सामान्य प्रशासन और लोक शिकायत विभाग ने कहा, श्री वी के पांडियन को कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ 5 टी (परिवर्तनकारी पहल) और नबीन ओडिशा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और वह सीधे मुख्यमंत्री के अधीन काम करेंगे। पांडियन 2011 में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में शामिल हुए और तब से वह पटनायक के निजी सचिव रहे हैं।

पटनायक के 2019 में पांचवी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद, पांडियन को सरकारी विभागों में कुछ परिवर्तनकारी पहलों को लागू करने के लिए '5 टी सचिव' की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई थी।

उत्तराखंडः पिथौरागढ़, चंपावत में कई लोगों के पास भारत और नेपाल की दोहरी नागरिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भारत में दो तरह के नेपाली लोग रह रहे हैं। पहली श्रेणी में वे लड़कियां शामिल हैं जो शादी करके भारत आ गईं, लेकिन उन्होंने अपनी नेपाल की नागरिकता नहीं छोड़ी और न ही भारतीय नागरिकता हासिल की। दूसरी श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिनका पूरा परिवार बिना भारत की नागरिकता लिए नेपाल से भारतीय भूभाग में आकर बस गया।

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ और चंपावत जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले बहुत से लोगों के पास नेपाल और भारत की दोहरी नागरिकता है और ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है।

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के अल्मोड़ा क्षेत्र के उप महानिरीक्षक डी एन बोम्बे ने बताया, भारत-नेपाल सीमा पर पिथौरागढ़ जिले के झूलाघाट तथा चंपावत जिले के कुछ क्षेत्रों में हमें ऐसे मामले मिले हैं। इसके बारे संबंधित जिला प्रशासनों को सूचित कर दिया है।

एसएसबी अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड में मौजूद बल की सभी 54 सीमावर्ती चौकियों में तैनात बल कार्मिक भारतीय भूभाग में रहने वाले ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर रहे हैं जिनके पास भारत और नेपाल की दोहरी नागरिकता है। उन्होंने बताया कि इस काम में एसएसबी संबंधित जिला प्रशासनों की मदद भी ले रहा है। पिथौरागढ़ के उप जिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि भारत में दो तरह के नेपाली लोग रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहली श्रेणी में वे लड़कियां शामिल हैं जो शादी करके भारत आ गईं, लेकिन उन्होंने अपनी नेपाल की नागरिकता नहीं छोड़ी और न ही भारतीय नागरिकता हासिल की।

शुक्ला ने बताया कि दूसरी श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिनका पूरा परिवार बिना भारत की नागरिकता लिए नेपाल से भारतीय भूभाग में आकर बस गया।

उपजिलाधिकारी ने कहा, हमें ऐसे बहुत से मामले मिले हैं जिनमें नेपालियों ने फर्जी तरीके से भारत में आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र हासिल कर लिए। हमने उनके फर्जी दस्तावेजों को तत्काल निरस्त कर दिया है।

एसएसबी के उप महानिरीक्षक ने कहा कि वन्यजीव अंगों और मादक पदार्थ की तस्करी के अलावा हम मानव तस्करी को रोकने को भी प्राथमिकता दे रहे हैं जिसके लिए हमने विशेष दल बनाए हैं।

एसएसबी एक अर्धसैनिक बल है जिसके पास 1740 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल सीमा की रक्षा की जिम्मेदारी है। इनमें से 254 किलामीटर लंबी सीमा उत्तराखंड में है।

मणिपुर में उग्रवादी संगठन के दो सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में, पड़ोसी देश म्यांमा स्थित उग्रवादी समूह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बताया कि चिन कुकी लिबरेशन आर्मी (सीकेएलए) के सदस्यों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी ने 'एक बार फिर मणिपुर और हमारे देश दोनों को अस्थिर करने के उद्देश्य से सीमा पार रची गई एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का खुलासा किया है।

पुलिस ने एक बयान में कहा कि सीकेएलए के दो उग्रवादियों को सोमवार को भारत-म्यांमा सीमा पर चाईजांग इलाके से पकड़ा गया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व ट्वीटर) पर कहा, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों को एक बड़ी सफलता..., म्यांमा स्थित उग्रवादी समूह सीकेएलए से कई हथियार, गोला-बारूद, मादक पदार्थ और नकदी पकड़ी गई है। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए हथियारों में एके-47, इंसास, स्नाइपर और एम-16 राइफलों के साथ भारी मात्रा में गोला-बारूद शामिल है। उन्होंने बताया कि करीब 2.5 किलोग्राम अफीम, 4.86 लाख रुपए से अधिक नकद और कई अन्य सामान भी बरामद किए गए।

मुख्यमंत्री ने लिखा, आज सीकेएलए सदस्यों की गिरफ्तारी और हथियारों की बरामदगी ने एक बार फिर मणिपुर और हमारे देश दोनों को अस्थिर करने के उद्देश्य से सीमा पार रची गई एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का खुलासा किया है।

पाकिस्तान पर जीत से एक पीढ़ी को क्रिकेट से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगी : ट्रॉट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक जीत अफगानिस्तान की अगली पीढ़ी को क्रिकेट खेलने के लिए प्रेरित करेगी।

गत चैंपियन इंग्लैंड को हराने के बाद अफगानिस्तान की टीम एकदिवसीय मैचों में पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ यादगार जीत दर्ज करने में सफल रही।

ट्रॉट ने सोमवार को मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इंग्लैंड को हराने के बाद मुझे लगता है कि यह एक बार फिर देश के लिए टीम अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्होंने कहा, यह खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को क्रिकेट का बल्ला और गेंद उठाने, अपनी क्षेत्ररक्षक और अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

अफगानिस्तान हाल ही में कई बार पाकिस्तान को हराने के करीब पहुंचा था लेकिन इस मैच से पहले टीम सफलता से दूर रह गई थी।

ट्रॉट ने कहा, उनके खिलाड़ियों में इस मुकाबले को लेकर जुनून और प्रतिद्वंद्विता की कमी नहीं थी। मुझे खुशी है कि आज हम फिर सफलता हासिल कर सके। अब हमारे पास वह आत्मविश्वास होगा कि हम आगे बढ़ सकते हैं और अपने खेल पर भरोसा कर सकते हैं।

भारत ने एशियाई पैरा खेलों के दूसरे दिन चार स्वर्ण सहित 18 पदक जीते

हांग्झोउ/भाषा। प्राची यादव मंगलवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में पैरा कैनोइंग (पाल नौकायन) में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने लगातार दूसरे दिन देश के लिए पदक हासिल किया। भारत ने मंगलवार को प्रतियोगिता के दूसरे दिन चार स्वर्ण सहित 18 पदक जीते। इससे देश के पदकों की कुल संख्या 35 हो गई। भारत ने सोमवार को खेलों के पहले दिन छह स्वर्ण सहित 17 पदक जीते थे। भारत 10 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य के साथ चीन (155), ईरान (44) और उज्बेकिस्तान (38) के बाद तालिका में चौथे स्थान पर है। कैनोइंग वीएल2 वर्ग में सोमवार को रजत पदक जीतने वाली प्राची ने केएल2 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इन खेलों का दूसरा पदक हासिल किया।

केनोइंग में प्राची और 400 मीटर दौड़ में दीप्ति ने जीता स्वर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

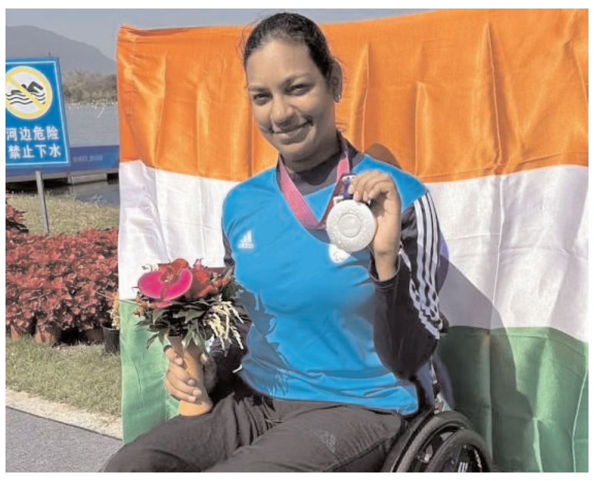

हांगझोउ/भाषा। प्राची यादव ने कैनोइंग (पाल नौकायन) और दीप्ति जीवनजी 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर पैरा एशियाई खेलों के दूसरे दिन मंगलवार को यहां भारत का शानदार प्रदर्शन जारी रखा। सोमवार को कैनोइंग वीएल2 वर्ग में रजत पदक जीतने वाली प्राची ने केएल2 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इन खेलों का दूसरा पदक हासिल किया।

दीप्ति ने महिला टी20 वर्ग की 400 मीटर दौड़ में खेलों और एशियाई रिकॉर्ड 56.69 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

अजय कुमार (पुरुष टी64 400 मीटर) और सिमरन शर्मा (महिला टी12 100 मीटर) ने रजत पदक जीता, जबकि मनीष कौरव (पुरुष केएल3 डिंगी), गजेंद्र सिंह (पुरुष वीएल2 डिंगी) और एकता भयान (महिला 32/51 क्लब थ्रो) ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में कांस्य पदक हासिल किया। खेलों के दूसरे दिन भारत ने अब तक दो स्वर्ण सहित सात पदक हासिल किए हैं। पदक तालिका में भारत 24 पदकों (आठ स्वर्ण, आठ रजत, आठ कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है।

सुविचार

जिंदगी हल्की महसूस होगी, अगर दूसरों से कम उम्मीद और खुद पर ज्यादा भरोसा हो तो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुरक्षा में सेंध

गुजरात एटीएस द्वारा पाकिस्तान मूल के एक व्यक्ति की गिरफ्तारी और जासूसी मामले में बड़ा खुलासा किया जाना सराहनीय है। जो लोग उसके साथ ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं, उन सबका भंडाफोड़ होना जरूरी है। यह जानकर आश्चर्य होता है कि भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए कैसे ओछे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं! जिस व्यक्ति को भारत ने नागरिकता दी, जीवन जीने के लिए मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराईं, वह वॉट्सऐप के जरिए ट्रैकिंग मैलवेयर भेजकर भारतीय रक्षा कर्मियों की जासूसी करने में पाकिस्तानी अधिकारियों की मदद करता पाया गया! अगर इस तरीके से एक भी रक्षा कर्मी से संवेदनशील जानकारी सरहद पार चली जाती है तो उससे बड़े नुकसान की आशंका होती है। आरोपी वर्ष 2005 में भारत की नागरिकता हासिल कर चुका है। वह पाकिस्तान में रह रहे अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए खुद, अपनी पत्नी और परिवार के दो अन्य सदस्यों के लिए वीजा प्रक्रिया को तेज करने के बदले साजिश का हिस्सा बनने को तैयार हो गया! यह पहला मौका नहीं है, जब आईएसआई ने किसी ऐसे व्यक्ति का इस्तेमाल किया, जो शरण लेने के इरादे से भारत आया और फिर यहां के राज़ वहां भेजने लगा। अगस्त 2022 में भी ऐसा एक मामला चर्चा में रहा था। उसमें पाया गया कि 46 वर्षीय एक शख्स, जो पाक से भारत आया और उसे नागरिकता मिल चुकी थी, वह लोगों की नजरों में तो टैक्सी ड्राइवर बना रहा, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी की महत्त्वपूर्ण जानकारी पाकिस्तान भेज देता था। वह पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में था। उसका भंडाफोड़ नाटकीय ढंग से हुआ था। उससे पहले राजस्थान के भीलवाड़ा में एक व्यक्ति जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जब उसका मोबाइल फोन खंगाला गया तो पता चला कि जासूसी को अंजाम देने के काम में उसका साथी दिल्ली में मौजूद है।

अब गुजरात एटीएस द्वारा आणंद जिले के तारापुर शहर से गिरफ्तार किए गए 53 वर्षीय शख्स की कहानी भी ऐसी ही है। उसने जासूसी के लिए जो तरीका अपनाया, वह हैरान करने वाला है। आम जनता को भी मालूम होना चाहिए कि कैसे एक ओटीपी शेयर करना राष्ट्रीय सुरक्षा को मुश्किल में डाल सकता है, लिहाजा सतर्क रहना जरूरी है। आजकल लोग क्रेडिट कार्ड और इनाम के झांसे में आकर ओटीपी शेयर कर देते हैं। भारतीय सैन्य खुफिया इकाई को जानकारी मिली थी कि पाक फौज या पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने किसी तरह एक भारतीय सिम कार्ड हासिल कर लिया, जिसका इस्तेमाल वॉट्सऐप के जरिए भारतीय रक्षा कर्मियों को मैलवेयर भेजकर जासूसी करने के लिए किया जा रहा था। इसी सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा, जो किराने की दुकान चलाता था। पिछले साल उस व्यक्ति और उसकी पत्नी ने पाकिस्तान के 'विजिटर वीजा' के लिए आवेदन किया था, तब उससे कहा गया कि पाकिस्तानी दूतावास से जुड़े एक व्यक्ति से संपर्क करें। उस अज्ञात व्यक्ति के हस्तक्षेप के बाद वीजा मिल गया। आरोपी शख्स ने भारत लौट आने के बाद अपनी बहन और भतीजी के लिए वीजा प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए दोबारा उसी व्यक्ति से संपर्क किया। इस बार उसने बदले में एक सिम कार्ड का उपयोग करके अपने मोबाइल फोन पर वॉट्सऐप शुरू करने के लिए कहा, जो जामनगर के किसी निवासी से मिला था। आरोपी शख्स ने उस व्यक्ति के साथ वॉट्सऐप शुरू करने के लिए ओटीपी शेयर कर दिया। उसके बाद जासूसी का घिनौना खेल शुरू हुआ, जिसके तहत आरोपी ने खुद को एक आर्मी स्कूल का कर्मचारी बताकर रक्षा कर्मियों को संदेश भेजे और उनसे स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने बच्चों के बारे में जानकारी अपलोड करने के लिए 'एपीके' फ़ाइल डाउनलोड करने का आग्रह किया। कुछ मामलों में तो उसने ऐप इंस्टॉल करने का लालच दिया था कि यह सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा है। आज सोशल मीडिया पर ऐसे सैकड़ों अकाउंट / पेज चल रहे हैं, जो तिरंगे व भारतीय सुरक्षा बलों के कर्मियों की फोटो यह लिखते हुए पोस्ट कर रहे हैं कि अगर आपको अपने देश से प्रेम है तो ज्यादा से ज्यादा लाइक करें। देशप्रेम के नाम पर लोग लाइक, कमेंट व शेयर कर देते हैं। पूर्व में ऐसे कुछ अकाउंट पाकिस्तान से संचालित होते पाए जा चुके हैं। उनका इस्तेमाल हनीट्रैप के लिए किया जा रहा था। आज सोशल मीडिया शत्रु एजेंसियों का अड्डा भी बनता जा रहा है, इसलिए जनता को इस मंच पर बहुत सावधानी बरतनी होगी। यहां ज़रा-सी लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

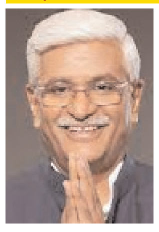

शेखावाटी जनपद के संस्थापक, शेखावतों के पितृपुरूष पूज्य महाराव शेखाजी की 590वीं जयंती पर आयोजित गरिमामय समारोह में सम्मिलित हुआ। उनकी शौर्य गाथा पीढ़ियों को प्रेरित करती आई है और युगों तक अमिट रहेगी।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी जी का सैनिकों और वीरों की धरा झुंझुनूं पधारने पर हार्दिक स्वागत और अभिनंदन। कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं जनता से मेरा विनम्र निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सभा को सफल बनाएं।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

मुक्ति की युक्ति

गंगा पार करवाने से पहले जब केवट श्रीराम के चरण धो चुका था तो प्रभु कहते हैं, 'भाई! अब तो गंगा पार करा दे।' इस पर केवट कहता है, 'प्रभु! नियम तो आपको पता ही है कि जो पहले आता है उसे पहले पार उतारा जाता है। इसलिए आप अभी थोड़ा और रुकिये।' श्रीराम कहते हैं, 'भाई! यहां तो मेरे सिवा और कोई दिखाई नहीं देता। इस घाट पर तो केवल मैं ही हूं। फिर पहले किसे पार लगाना है?' केवट बोला, 'प्रभु! अभी मेरे पूर्वज बैठे हुए हैं, जिनको पार लगाना है।' केवट झट गंगा जी में उतरकर, प्रभु के चरणामृत से अपने पूर्वजों का तर्पण करता है। फिर केवट ने अपना, अपने परिवार, और सारे कुल का उद्धार करवाया। फिर श्रीराम को नाव में बैठाता है, दूसरे किनारे तक ले जाने से पहले, फिर घुमाकर वापस ले आता है। जब बार-बार केवट ऐसा करता है तो प्रभु पूछते हैं, 'भाई! बार-बार चक्कर क्यों लगवा रहे हो? मुझे चक्कर आने लगे हैं।' केवट कहता है, 'प्रभु! यही तो मैं भी कह रहा हूं। चौरासी लाख योनियों के चक्कर लगाते-लगाते मेरी बुद्धि भी चक्कर खाने लगी है, अब और चक्कर मत लगवाइये।' भक्त के चातुर्य को देख कर, प्रभु राम भी मुस्करा देते हैं।

सामयिक

विधानसभा चुनावों की तपन और रुख बदली पुरवा-पछुआ पवन

ऋतुपर्ण दवे
मोबाइल : 9302640933

पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में टिकिट बंटवारे के बाद कांग्रेस और भाजपा में जिस तरह से उठापटक का नजारा दिख रहा है वो नया नहीं है। लेकिन नवंबर-2023 में होने जा रहे पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव जरूर तमाम रणनीतिक गतिविधियों के चलते अलग-अलग से नजर आ रहे हैं। जिस रास्ते भाजपा और काँग्रेस चल रही है वह खुद बड़ा संकेत है। भाजपा ने भले ही मध्यप्रदेश से बेहद पुरानी शुरुआत को नए लिबास में कर तीनों अहम हिन्दी पट्टी राज्यों में भी प्रयोग दोहरा, मौजूदा सांसदों या केन्द्रीय मंत्रियों को जंग में उतार तमाम दिग्गजों सहित खुद भाजपाइयों को अचरज में डाल दिया। इसकी खबर सिवाय प्रत्याशी किसी को कानों कान नहीं थी। इसी तरह काँग्रेस ने भी भाजपा से आए लोगों को टिकट देने में गुरेज न कर बड़ा दाँव खेला है। अब दोनों ही दल कार्यकर्ताओं के विरोध को झेल रहे हैं। लेकिन आखिर में हमेशा की तरह सब ठीक हो जाएगा।

ऐसा लगता है जो झलकता भी है कि भाजपा ने अपनी महीन चुनावी रणनीति के तहत सासंदों व मंत्रियों को मैदान में उतारा है। यह असल में यह बहुत ही सोची, समझी, सधी हुई चाल है जिसमें एक साथ कई-कई संदेश छिपे हैं। परिस्थितियों वश भाजपा किसे आगे करे, किसे मुखौटा बनाए के बजाए सबको आपस में उलझाए रखने जैसी रणनीति अपना रही है जो कहीं न कहीं छिपा डैमेज कंट्रोल तो नहीं? मध्यप्रदेश में भाजपा उदारवादी मुख्यमंत्री के रूप में शिवराज का चेहरा सामने रखने में सत्ता विरोधी लहर और दूसरे अन्दरूनी डर से भले डरी हो लेकिन काँग्रेस अभी भी संगठनात्मक रूप से यहाँ उतनी मजबूत नहीं हो पाई है जो होना था। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल सरकार, संगठन व लोकप्रियता में भाजपा को जरूर बड़ी चुनौती नजर आ रहे हैं। राजस्थान में विजयाराजे सिंधिया के वजूद और सचिन पायलट की हां-ना के बीच पशोपेश की स्थिति से लगता है कि वहाँ भी दोनों दलों में आंतरिक चुनौतियां कम नहीं हैं। राजस्थान में कांग्रेस से ज्यादा चुनौती भाजपा में हैं। हाल ही में सचिन पायलट कई बार कह चुके हैं कि 5 साल में सरकार बदलने का रिवाज अब टूटेगा। छत्तीसगढ़ में सत्ता विरोधी लहर जैसा कुछ समझ तो नहीं आ रहा है। हो सकता है कि यहां काँग्रेस 2018 के मुकाबले और सुधार करे। यहां भी भाजपा ने कई मौजूदा सांसदों और केन्द्रीय मंत्रियों को विधानसभा टिकट देकर जो प्रयोग किया है उसके नतीजों पर सबकी निगाहें होंगी। तेलंगाना में मुख्य मुकाबला बीआरएस, कांग्रेस और भाजपा के बीच है। टीडीपी और एआईएमआईएम भी ताल ठोंक रही है। मिजोरम में मुकाबला एमएनएफ, जेडपीएम, कांग्रेस और भाजपा के बीच ही होगा।

टिकिट वितरण में बड़े चेहरों पर ज्यादा भरोसा दिखाने के साथ दूसरे दलों से आकर टिकट हथियाने वालों से साधारण कार्यकर्ताओं में भले ही जबरदस्त असंतोष दिखे। लेकिन इससे हवा के रुख पर फर्क जरूर दिख रहा है। भाजपा और काँग्रेस प्रत्याशियों की घोषणा के बाद कम से कम हिन्दी पट्टी क्षेत्रों में स्थिति टिकट वितरण के पहले और अब काफी बदली हुई लग रही है। विरोध के स्वर और नेताओं के उवाच लोगों को हैरान कर रहे हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की कथित मीठी नोंक-झोंक जो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है उसे मप्र में अलग नजरिए से देखा जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं में भी पैरॉशूट खासकर कांग्रेस से आए प्रत्याशियों को लेकर भीतर ही भीतर सुलग रही अंर्तविरोध की आग बुझेगी या बढ़ेगी इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। मध्यप्रदेश में कई सीटों पर बसपा, सपा और आप की मौजूदगी भाजपा से ज्यादा काँग्रेस के लिए बड़ी चुनौती जरूर बनती दिख रही है। ये तीनों ही दल ज्यादातर काँग्रेस के वोट बैंक को ही चोट पहुंचाते नजर आ रहे हैं।

चुनावी रण में किसका पलड़ा ज्यादा भारी है कहना अभी जल्दबाजी होगी। टिकटों खुलासे से पहले जहां हवा का रुख कुछ अलग था वो अब अलग है। पहले मप्र व राजस्थान में कांग्रेस खेमा सत्ता के सिंहासन को बेहद भरोसे से करीब देख रहा था। लेकिन अब अंदरूनी तौर पर थोड़ा सशंकित है। हवा कुछ प्रदूषित सी लगने लगी है। पहले घर बैठे जीत का मन बना चुके प्रत्याशी भी कार्यकर्ताओं के घरों पर याचक बन दस्तक देते नजर आ रहे हैं। वहीं भाजपा भी अपने तमाम कार्यकर्ताओं से लेकर, पन्ना प्रमुख, वार्ड प्रभारी, बूथ कार्यकर्ताओं, सेक्टर प्रभारियों की सूची को बार-बार क्लिक करते दिख रही है। काँग्रेस के पास अपने पुराने बरसों पुराने कार्यकर्ताओं का ही भरोसा है। इन्हीं के दम पर बीते बरस स्थानीय निकाय के चुनाव के दौरान भी काँग्रेस ने खासा दमखम दिखाया था। कहीं जीतकर भी हारे तो कहीं हारकर भी जीते जैसी स्थितियों से काफी हंसी हुई थी। इन्हीं उधेड़बुन के बीच जो तस्वीरें मध्यप्रदेश से आ रही हैं वो काफी चौंकाने वाली हैं। कमलनाथ के घर के सामने आत्मदाह की कोशिश तो पंगत बिठा सार्वजनिक भोज कराने का अलग नजारा रहा। सेवड़ा, जावरा, मलहरा, डॉ.आंबेडकर नगर(महू), खरगापुर, निवाड़ी, सोहागपुर, शुजालपुर, गोविंदपुरा, बैरसिया, बड़नगर, खातेगांव, गोटेगांव सहित कुछ अन्य सीटों के प्रत्याशियों का जमकर विरोध हो रहा है। वहीं भोपाल, ग्वालियर जबलपुर, भिंड, मुरैना, बुरहानपुर, टीकमगढ़, सिंगरौली सहित कई अन्य जगह भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा क्या रंग दिखाएगा देखना होगा। सतना, रीवा, उचेहरा, मैहर में बयार उल्टी बहती दिख रही है। प्रदेश के उत्तर-पूर्व में स्थित शहडोल संभाग जो नर्मदा-सोन, बांधवगढ़, विराट मंदिर से अपनी अलग पहचान रखने के बावजूद दुर्भाग्यवश देश भर में नाम बदलने के दौर के बावजूद ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक नामों से नहीं जाना जा सका, बंटा-बंटा सा दिख रहा है। कोतमा और जयसिंहनगर के परिणाम चौंका सकते हैं तो अनूपपुर और मानपुर के नतीजे रोचक हो सकते हैं। जयसिंहनगर और पुष्पराजगढ़ का दांव भाजपा का अपना है।

मध्यप्रदेश में वायदों की लड़ी और हर रोज खातों को टटोलती बहनाओं का रुख तो काँग्रेस के वचनपत्र के अंतर्द्वन्द में फंसे मतदाताओं की राय बंटी-बंटी सी है। कमोवेश राजस्थान में भी भाजपा का प्रचार कांग्रेस के लिए चुनौती जैसा है। यहाँ भी गुटबाजी के चलते स्थिति थोड़ी घुमावदार है। इधर शिवराज सिंह चौहान के ताबड़तोड़ दौरों में पहले के मुकाबले आई कमीं के मायने चाहे जो हों लेकिन मैदान में वो समूचे विपक्ष के लिए प्रधानमंत्री के चेहरे के बाद दूसरी सबसे बड़ी चुनौती जरूर हैं। यदि काँग्रेस महीने भर पहले ही प्रत्याशियों की घोषणा कर देती तो नजारे आज दिख रहे हैं, वो नहीं दिखते।

इन चुनावों में छत्तीसगढ़ को लेकर ज्यादा हाय-तौबा जैसा कुछ दिखता नहीं है। वहां पर अमित शाह पूरी तरह से निगाह जमाए हुए हैं। लेकिन भाजपा कितना अच्छा कर पाएगी सबकी निगाहें इसी पर है। भूपेश बघेल ने जिस तरीके से सत्ता, संगठन में मजबूत पकड़ के साथ मतदाताओं से कनेक्शन जोड़ रखा है उसका उन्हें क्या फल मिलेगा इस पर किसी को संदेह ज्यादा नहीं है। गाय-गोबर से लेकर किसान व दूर-दराज से सीधा कनेक्शन की मजबूती से काँग्रेस आश्वस्त दिखती है। लेकिन भाजपा भी अपनी लड़ाई में कोई कमीं नहीं छोड़ काँग्रेस के लिए बड़ी चुनौती बनने में कोई कमीं नहीं कर रही है।

हिन्दी पट्टी राज्यों के इन अहम विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दिग्गजों को प्रचार के मैदान में उतारा है जिनमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, स्मृति ईरानी सहित दिग्जों की बड़ी फौज है। वहीं काँग्रेस राहुल गाँधी, प्रियंका गाँधी, मल्लिकार्जुन खरगे, कमलनाथ, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, रणदीप सुरजेवाला सहित कई नए नामों को प्रचार में झोंक सकती है। फिलाहाल जोड़-तोड़, आयाराम-गयाराम, जुबानी जंग के बीच आदर्श आचार संहिता की नकेल के बीच पाँचों राज्य धीरे-धीरे पूरी तरह से चुनावी मोड में जाते जा रहे हैं। नतीजों को लेकर गुलाबी ठण्ड के बीच बहती पुरवा और पछुवा हवा किसको फायदा किसको नुकसान पहुंचाएगी, इसके लिए 3 दिसंबर तक इंतजार करना ही होगा।

नजरिया

रचनात्मक, प्रगतिशील प्रयास सार्थक जिंदगी के अहम पहलू

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

जीवन है चलने का नाम, गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 37 नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो।

वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं।

मंथन

भारतीय सनातन संस्कृति का विस्तार भारतीय समाज ही कर सकता है

प्रहलाद सबनानी
मोबाइल : 9987949940

प्राचीनकाल में भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस खंडकाल में समस्त प्रकार की गतिविधियां चाहे वह सामाजिक क्षेत्र में हों, सांस्कृतिक क्षेत्र में हों, आर्थिक क्षेत्र में हों अथवा किसी भी अन्य क्षेत्र में हों वह भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए ही सम्पन्न की जाती थीं। समाज में किसी भी प्रकार के कर्म को धर्म से जोड़कर ही किया जाता था एवं अर्थ को भी धर्म से जोड़ दिया गया था। कर्म, अर्थ एवं धर्म मिलकर मानव को मोक्ष प्राप्त करने की ओर प्रेरित करते थे। सामान्यतः राष्ट्र के नागरिकों में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं के बराबर ही रहती थी और समस्त नागरिक आपस में मिलकर हंसी खुशी अपना जीवन यापन करते थे।

भारत के वेद एवं पुराणों में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को हल करने के उपाय बताए गए हैं। विभिन्न युगों में अलग अलग शक्तियों को प्रधानता दी गई है, इन शक्तियों के माध्यम से ही विभिन्न समस्याओं पर विजय प्राप्त की जा सकती है। त्रेतायां मंत्र-शक्तिश्च, ज्ञान शक्तिः कृत्ते-युगे। द्वापरे युद्ध शक्तिश्च, संघेशक्ति कलौयुगे।। सतयुग में ज्ञान शक्ति, त्रेता युग में मंत्र शक्ति, द्वापर युग में युद्ध शक्ति एवं कलयुग में संगठन शक्ति को प्रधानता दी गई है। परंतु, त्रेता युग में भी भगवान राम ने वानर सेना सहित समाज को संगठित करते हुए असुरी शक्तियों पर विजय प्राप्त करने में सफलता हासिल की थी एवं रावण का संहार किया था। द्वापर युग में भी महाभारत का युद्ध पांडवों ने संगठन भाव के कारण एक उद्देश्य को सामने रखकर जीता था। जबकि, कौरवों की सेना के महारथी अपने व्यक्तिगत संकल्पों, प्रतिज्ञा एवं प्रतिशोधों के लिए लड़े और युद्ध हारे थे।

इसी प्रकार कलयुग में कालांतर में जब छोटे छोटे राज्य स्थापित होने लगे तब इन राज्यों के बीच आपस में संगठन का स्पष्ट तौर पर अभाव दृष्टिगोचर होने लगा और वे आपस में ही लड़ने लगे थे। संगठन का अभाव एवं सनातन संस्कृति के छूटने के कारण ही आक्रांता के रूप में मुगलों एवं अंग्रेजों को भारत के छोटे छोटे राज्यों पर अपना आधिपत्य स्थापित करने में कोई बहुत अधिक कठिनाई नहीं हुई थी।

कलियुग में हिंदू समाज में संगठन शक्ति के जागरण के उद्देश्य से वर्ष 1925 में विजय दशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार ने की थी। जो आज अपने 98 वर्ष पूर्ण कर एक विशाल वट वृक्ष के रूप में हमारे सामने खड़ा है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन माना जाता है। संघ का मुख्य कार्य स्वयंसेवकों में राष्ट्र भाव जागृत करना एवं समाज में सामाजिक समरसता स्थापित करना है। संघ द्वारा शाखाओं के माध्यम से स्वयंसेवकों का शारीरिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास किया जाता है। इन शाखाओं में स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज में जाकर सामाजिक समरसता का भाव विकसित करने का प्रयास करते हैं एवं देश के नागरिकों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करते हैं। इस प्रकार भारतीय समाज को संगठित करने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शाखाओं एवं स्वयंसेवकों के माध्यम से किया जा रहा है।

भारतीय समाज की एकजुटता के कारण ही आज भारत में रामसेतु का विध्वंस रुक सका है, जम्मू एवं कश्मीर में लागू धारा 370 एवं धारा 35ए हटाई जा सकी है, 500 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद श्री राम का भव्य मंदिर अयोध्या में निर्मित हो रहा है, जिसका उद्घाटन जनवरी 2024 में पूज्य संत महात्माओं के साथ भारत के प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेंद मोदी जी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न होना प्रस्तावित है। जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता आज भारत के पास है और भारत इस समूह के समस्त देशों को एकजुट बनाए रखने में सफल रहा है। भारत ने चन्द्रयान को चन्द्रमा के दक्षिणी भाग पर सफलता पूर्वक उतारने में सफलता हासिल की है एवं चन्द्रमा की सतह पर शिवशक्ति को अंकित करने में भी सफलता पाई है। भारत आज अपनी सीमाओं की मजबूती के साथ सुरक्षा करने में सफल हो रहा है। खेलों के क्षेत्र में भी नित नए झंडे गाड़े जा रहे हैं, हाल ही में चीन में सम्पन्न हुई एशियाई खेल प्रतियोगिताओं में भारत ने 106 पदकों को हासिल कर एक रिकार्ड बनाया है।

इस प्रकार वर्तमान में वैश्विक स्तर पर भारत एक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। विभिन्न क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व को राह दिखा रहा है। एक ओर तो रूस-यूक्रेन युद्ध एवं इजराइल-हमास युद्ध अपने चरम पर है एवं विश्व के विकसित देश कई प्रकार की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं एवं इन देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो चुका है वहीं दूसरी ओर भारत आर्थिक क्षेत्र में चंहुमुखी प्रगति कर रहा है एवं आज भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत की यह प्रगति कई देशों को नहीं सुहा रही हैं एवं कुछ देश भारत के नागरिकों में आपसी फूट पैदा करने एवं भारत की कुटुंब व्यवस्था को छिन्न भिन्न करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि न केवल भारत की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित हो सके बल्कि भारत का सामाजिक ताना बाना भी छिन्न भिन्न किया जा सके। यह देश भारतीय सनातन संस्कृति, हिंदुत्व, भारत एवं संघ पर प्रहार कर रहे हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच भारतीय नागरिकों पर आज महत्ती जिम्मेदारी आ जाती है कि कुछ देशों के भारतीय समाज को बांटने के कुत्सित प्रयासों को विफल करें। भारतीय समाज आपस में सामाजिक समरसता का भाव विकसित करें एवं कोई भी कार्य करने के पहिले राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखें।

आज की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारतीय समाज को आपस में एकता बनाए रखना भी अति आवश्यक है। सामाजिक बराईयों को दूर करने के प्रयास भी आज हम सभी को मिलकर करने चाहिए। भारतीय समाज को आज की विपरीत परिस्थितियों के बीच जागृत होना ही होगा। लगभग 10 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक ने कहा था कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नए मतदाताओं का शत प्रतिशत पंजीयन होना चाहिए, शत प्रतिशत मतदान होना चाहिए एवं समाज द्वारा राष्ट्रहित के मुद्दों पर मतदान करना चाहिए। आज इन समस्त बातों का ध्यान भारतीय समाज को रखना होगा। श्री यदुनाथ सरकार ने अपनी पुस्तक शिवाजी एंड हिज टाइम में उल्लेख किया है कि प्रयाग में मुगलों ने एक अक्षय वट वृक्ष को काट कर उस पर एक बड़ा तना इस उद्देश्य से रख दिया था कि अब वृक्ष चूंकि कट चुका है अतः स्वतः ही समाप्त हो जाएगा। किंतु, कुछ समय पश्चात उस अक्षय वट वृक्ष में फिर से कपोलें फूट आईं, उसी प्रकार से भारतीय समाज की सनातन शक्ति को रोकने का सामर्थ्य दुनिया में किसी का नहीं है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिन्दूर खेला

पटना में विजय दशमी उत्सव के अवसर पर 'सिंदूर खेला' के दौरान विवाहित महिलाएं एक-दूसरे के चेहरे पर सिन्दूर लगाती हुई।

न्यायाधीश निर्वाचित नहीं होते, लेकिन उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है : चंद्रचूड़

नई दिल्ली/भाषा

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायाधीश यद्यपि निर्वाचित नहीं होते हैं, लेकिन उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि न्यायपालिका के पास प्रौद्योगिकी के साथ तेजी से बदल रहे समाज के विकास में 'प्रभाव को स्थिर' करने की क्षमता होती है।

वह सामान्य तौर पर की जाने वाली उस आलोचना का जवाब दे रहे थे कि निर्वाचित नहीं होने वाले न्यायाधीशों को कार्यपालिका के कार्यक्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह बात जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर, वाशिंगटन और सोसाइटी फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (एसडीआर), नई दिल्ली द्वारा आयोजित तीसरी तुलनात्मक संवैधानिक कानूनी चर्चा में कही। चर्चा का विषय 'भारत और अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालयों के परिप्रेक्ष्य से' था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मेरा मानना है कि न्यायाधीशों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भले ही हम निर्वाचित नहीं होते हैं। हम हर पांच साल में लोगों के पास वोट मांगने नहीं जाते हैं। लेकिन इसका एक कारण है...मेरा मानना है कि इस अर्थ में न्यायपालिका हमारे समाज के विकास में प्रभाव को स्थिर करने वाली है, विशेषतौर तब, जबकि हमारे इस दौर में जिसमें यह प्रौद्योगिकी के साथ बहुत तेजी से बदल रहा है। न्यायाधीश ऐसी आवाज होते हैं, जो 'समय के उतार चढ़ाव' से परे होती है और अदालतों के पास समाज में प्रभाव को स्थिर करने की क्षमता होती है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि भारत जैसे बहुलवादी समाज के संदर्भ में अपनी सभ्यताओं, अपनी संस्कृतियों की समग्र स्थिरता में हमें एक भूमिका का निर्वहन करना है। सीजेआई ने कहा कि अदालतें नागरिक समाज और सामाजिक परिवर्तन के लिए सम्मिलन का केंद्र बिंदु बन गई हैं।

पश्चिम अंटार्कटिका में तेजी से पिघलती बर्फ चिंताजनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यू कैसल। हमारे नए शोध से संकेत मिलता है कि गर्म होता दक्षिणी महासागर पश्चिम अंटार्कटिक की बर्फ की चादर को जिस दर से पिघला रहा है, वह आने वाले दशकों में उत्सर्जन में गिरावट आने के बावजूद और तेज हो जाएगी। इससे समुद्र के जल स्तर में वृद्धि होने की आशंका है, जिसके प्रतिकूल परिणाम दुनिया भर के तटीय समुदायों पर पड़ेंगे।

अंटार्कटिक में बर्फ की चादर वास्तव में परस्पर जुड़े ग्लेशियर की एक प्रणाली है, जिसमें साल भर बर्फबारी होती रहती है। तटीय बर्फ यानी आइस शेल्फ इस बर्फ की चादर के तैरते हुए किनारे हैं, जो उनके पीछे के ग्लेशियर को स्थिर करते हैं। समुद्री जल के तापमान में वृद्धि से ये आइस शेल्फ पिघलने लगते हैं। ऐसे में इनके साथ-साथ ग्लेशियर भी पिघलते हैं और समुद्र में ताजा पानी आने की गति तेज हो जाती है, जिसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाता है।

पश्चिमी अंटार्कटिका में यह प्रक्रिया दशकों से चल रही है। आइस शेल्फ छोटे हो रहे हैं, ग्लेशियर तेजी से समुद्र की ओर बह रहे हैं और बर्फ की चादर सिकुड़ रही है। हालांकि, इस क्षेत्र में समुद्र का तापमान माप सीमित है, लेकिन मॉडलिंग व्यवस्था से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप समुद्र का तापमान बढ़ गया है। यह स्थिति खासकर एमंडसेन सागर में अधिक है, जिसे हमने मॉडल चुना, क्योंकि यह बर्फ की चादर के सिकुड़ने के लिहाज से सर्वाधिक जोखिम वाला क्षेत्र है। हमने एक क्षेत्रीय महासागर मॉडल का भी उपयोग किया। हमने 21वीं सदी के कई अलग-अलग सिमुलेशन चलाने के लिए ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटर आर्चर2 का उपयोग किया, जिसमें समुद्र के गर्म होने और एमंडसेन सागर में 4,000 साल से अधिक समय से बर्फ पिघलने के बारे में बताया गया है।

हमने जलवायु में प्राकृतिक विविधताओं के प्रभाव पर भी विचार किया, जैसे अल नीनो जैसी घटनाओं का समय। साथ ही जीवाश्म ईंधन संबंधी पहलू का भी विश्लेषण किया गया। हमें नतीजे चिंताजनक लगे। इस सदी के दौरान समुद्र के गर्म होने और बर्फ के पिघलने की दर में तेजी से वृद्धि हुई है। यहां तक कि सबसे अच्छी स्थिति में भी, जिसमें 'ग्लोबल वार्मिंग' 1.5 डिग्री सेल्सियस पर रुक जाती है। इसे कई विशेषज्ञ महत्वाकांक्षी मानते हैं। इसमें तापमान बढ़ने तथा बर्फ पिघलने की ऐतिहासिक दर में तीन गुना वृद्धि शामिल है। बर्फ की पिघलती परतें समुद्र के जल स्तर में वृद्धि का एक प्रमुख कारण हैं, लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है। हम अंटार्कटिक में ग्लेशियर के प्रवाह और बर्फ की चादर पर बर्फ जमा होने की दर का आकलन किए बिना समुद्र के जल स्तर में वृद्धि का अनुमान नहीं लगा सकते। लेकिन यह तो निर्विवाद है कि इस क्षेत्र में बर्फ के लगातार पिघलने से समुद्र का स्तर तेजी से बढ़ रहा है। पश्चिमी अंटार्कटिक में बर्फ की सिकुड़ती चादर पहले से ही वैश्विक स्तर पर समुद्री जल स्तर में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है और प्रति वर्ष लगभग 80 अरब टन बर्फ खत्म हो रही है। इसमें समुद्र के जल स्तर को पांच मीटर तक बढ़ाने के लिए पर्याप्त बर्फ है, लेकिन हम नहीं जानते कि इसका कितना हिस्सा पिघलेगा और कितनी जल्दी पिघलेगा।

'पाकिस्तान में आम चुनाव की तारीख जल्द घोषित होने की संभावना'

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने उम्मीद जताई है कि निर्वाचन आयोग जल्द ही चुनाव की तारीख की घोषणा करेगा। उन्होंने जोर दिया कि अगले आम चुनाव में सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर उपलब्ध होंगे।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने पिछले महीने किसी तारीख की घोषणा किए बिना कहा था कि आम चुनाव जनवरी 2024 के आखिरी हफ्ते में होंगे।

चीन से लौटने के तीन दिन बाद संवाददाताओं से मुखातिब काकड़ ने कहा, ऐसा लग रहा है कि जल्द ही चुनाव की तारीख का ऐलान हो जाएगा। वह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की 10वीं वर्षगांठ पर बेल्ट एंड रोड फोरम (बीआरएफ) सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन गए थे।

देश में सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने कहा, किसी भी राजनीतिक दल को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर नहीं रखा गया है और कार्यवाहक सरकार चुनावी प्रक्रिया में सहयोग देने की पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि कोई भी राजनीतिक दल, संस्था और उससे जुड़ी राजनीतिक हस्तियां (चुनाव) प्रक्रिया से बाहर न हों, लेकिन अगर अदालत कोई प्रतिबंध लगाती है, तो हमें आदेश का पालन करना होगा।

उनकी यह टिप्पणी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संदर्भ में देखी जा रही है, जो कानूनी चुनौतियों का सामना कर रही है और जिसके कई नेता जेल में हैं।

द डॉन अखबार में मंगलवार को काकड़ के हवाले से प्रकाशित खबर में कहा गया है, अगर समान अवसर का मतलब किसी खास पार्टी की जीत सुनिश्चित करना है तो इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता। (हमें) 2018 का समान अवसर याद है, जब दक्षिण पंजाब मोर्चा अस्तित्व में आया था।

इन आरोपों को खारिज करते हुए कि समान अवसर सभी राजनीतिक दलों के बजाय किसी एक पार्टी के लिए उपलब्ध हैं, काकड़ ने कहा, कार्यवाहक व्यक्ति दो महीने में ऐसे कौन-से प्रयास कर सकते हैं, जिनसे किसी एक पार्टी को (नेशनल असेंबली की) 171 सीटें हासिल करने में मदद मिलेगी।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ की वतन वापसी के दो दिन बाद पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पीटीआई की चुनावों में समान अवसर उपलब्ध कराने की मांग के संबंध में काकड़ मीडिया से बात कर रहे थे।

सूरज नांबियार को मिस कर रही हैं मौनी रॉय

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मौनी रॉय इस दशहरे पर अपने पति सूरज नांबियार को बेहद मिस कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने पति के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की। साथ ही पति को दशहरे की शुभकामनाएं दी। 'ब्रह्मास्त्र' फेम एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 28 मिलियन सब्सक्राइबर्स की फैन फॉलोइंग है। फोटो शेयरिंग एप्लिकेशन पर मौनी ने सूरज के साथ अनदेखी तस्वीरें साझा की। तस्वीरों की सीरीज में, हम मौनी को मुस्कुराते हुए सूरज को गले लगाते हुए देख सकते हैं। एक तस्वीर में मौनी ने लाल रंग का पारंपरिक सूट पहना हुआ है और सूरज ने सफेद कुर्ता पायजामा पहना हुआ है। अगली तस्वीर में उन्हें सोफे पर बैठे और लेंस के लिए पोज देते हुए दिखाया गया है। मौनी ने पारंपरिक बंगाली साड़ी पहनी हुई है, जबकि सूरज लाल कुर्ता और पीली धोती में हैं। उन्होंने पोस्ट कैप्शन दिया, शुभो बिजॉयर प्रीति ओ शुभेच्छा.. आज तुम्हारी बहुत याद आ रही है नांबियार, जल्दी वापस आ जाओ।'' उनके पति ने पोस्ट पर टिप्पणी की और लिखा, आपको भी याद करता हूं। प्रशंसकों ने पोस्ट पर प्यार बरसाया और लिखा, खूबसूरत जोड़ी। एक अन्य ने लिखा, भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। मौनी ने 2006 में टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से एक्टिंग डेब्यू किया था। 2018 में उन्होंने अक्षय कुमार के साथ पीरियड स्पोर्ट फिल्म 'गोल्ड' से हिंदी फिल्म में डेब्यू किया। उन्होंने एक्शन-एडवेंचर 'ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन - शिव' में जूनून का किरदार निभाया, जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में थे। मौनी हाल ही में 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' में नजर आई थीं। उनकी अगली फिल्म 'द वर्जिन ट्री' पाइपलाइन में है।

फिल्म 'देवा' अगले साल होगी रिलीज

मुंबई/भाषा

अभिनेता शाहिद कपूर की आने वाली फिल्म का नाम 'देवा' होगा और यह अगले साल 11 अक्टूबर को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन 'सैल्यूट' और 'कायमकुलम कोचुन्नी' जैसी हिट मलयाली फिल्मों के निर्देशक रोशन एंड्रयूज ने किया है। शाहिद कपूर के अलावा इस फिल्म में अभिनेत्री पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी।

निर्माण कंपनी 'जी स्टूडियोज' और 'रॉय कपूर फिल्म' के बैनर तले इसका निर्माण किया जा रहा है। अभिनेता शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम खाते पर फिल्म की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, ''अगले साल 11 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर फिल्म 'देवा' सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'' फिल्म निर्माताओं के अनुसार, 'देवा' एक प्रतिभाशाली व विद्रोही पुलिस अधिकारी की कहानी है जो एक बहुचर्चित मामले की जांच कर रहा है।

'मिर्ज़ापुर सीज़न 3' में नजर आएगी रसिका दुग्गल

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री रसिका दुग्गल वेबसीरीज मिर्ज़ापुर सीज़न 3 में काम करती नजर आयेंगी। रसिका दुग्गल ने वेबसीरीज मिर्ज़ापुर में बीना त्रिपाठी का किरदार निभाया है। रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर सीज़न 3 के साथ शो की वापसी का संकेत दिया है। इंस्टाग्राम पोस्ट में, रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर शो से एक क्लिप साझा करके एक संकेत दिया। वीडियो में वह फोन पर बात करते हुए कह रही हैं, जल्दी करेंगे ठीक है मिर्ज़ापुर 3 की रिलीज़... रिस्क नहीं ले सकते। रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर सीज़न 3 में अपना काम पूरा कर लिया है और हाल ही में उन्हें इसके लिए डबिंग करते हुए भी देखा गया था। मिर्ज़ापुर सीज़न 3 के अलावा, रसिका अपने सीज़न 3 के लिए अत्यधिक प्रशंसित सीरीज दिल्ली क्राइम में नीति सिंह के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगी। उनकी आनेवाले प्रोजेक्ट में लॉर्ड कर्जन की हवेली, फेयरी फोक, लिटिल थॉमस भी शामिल हैं।

फिल्म 'हिंदुस्तानी' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पांडेय चिंटू की फिल्म हिंदुस्तानी का फर्स्ट लुक दशहरा के अवसर पर रिलीज कर दिया गया है। हिंदुस्तानी के फर्स्ट लुक में चिंटू हाथ में तीर धनुष लिए एक रावण जैसी काया का वध करने को तैयार है।वेब म्यूजिक प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण सांवरे फिल्म्स कर रही है।

इस फिल्म के प्रोड्यूसर विजय कुमार यादव है, जिन्होने कहा कि फिल्म हिंदुस्तानी मनोरंजन का जखीरा है और यह जब रिलीज होगी तो दर्शकों को खूब भाएगी। फिल्म की हैरतअंगेज कहानी इस फिल्म की यूएसपी है, जिसे इस फिल्म में खूब भुनाया गया है। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होगी, उससे पहले फिल्म का ट्रेलर वेब म्यूजिक से रिलीज होगी। फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन का काम पूरा हो चुका है। वही फिल्म को लेकर उत्साहित प्रदीप पांडेय चिंटू ने अपने फैंस को दशहरा की शुभकामनाओं के साथ कहा कि हिंदुस्तानी धरती पर बढ़ता जब अत्याचार है / संत सनातन कि रक्षा को लेते राम अवतार है/ मर्यादा में रहते तबतक जबतक मर्यादा बची रहे/मर्यादा जब भंग हो जाए करते रावण संहार है।

फिल्म हिंदुस्तानी के निर्देशक नीलमणि सिंह हैं। फिल्म में प्रदीप पांडे चिंटू के साथ यामिनी सिंह, बृजेश त्रिपाठी, मनोज द्विवेदी, देव सिंह, बालेश्वर सिंह, ग्लोरी मोहंता, सोनिया मिश्रा, सुष्मिता मिश्रा, गजेंद्र त्रिपाठी, अनुराधा यादव, रिंकू आयुषी, अर्जुन यादव, इंद्रसेन यादव, केशव राम और गेस्ट अपीयरेंस में रितु सिंह हैं। फिल्म के संगीतकार छोटे बाबा और सुनील झा हैं।

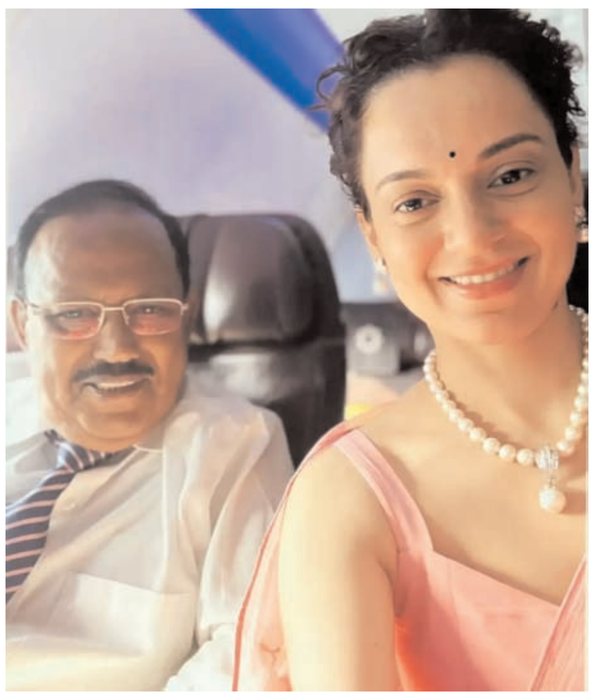

'तेजस' की रिलीज से पहले अजीत डोभाल से मिलकर बेहद खुश हुई कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से एक फ्लाइट में मुलाकात हुई। इसको लेकर अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने प्रशंसकों के साथ यह पल साझा किया। डोभाल से कंगना की मुलाकात उनकी आने वाली फिल्म 'तेजस' की रिलीज से पहले हुई है। इस एक्शन ड्रामा में कंगना भारतीय वायु सेना अधिकारी तेजस गिल की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। डोभाल से हुई मुलाकात से उत्साहित 'मणिकर्णिका' की अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में लिखा, कितना अच्छा भाग्य है, अंदाजा लगाइए कि आज सुबह फ्लाइट में मेरे बगल में कौन बैठा था? ग्रेटेस्ट अजीत डोभाल'' 'तेजस' का जिक्र करते हुए कंगना ने कहा, तेजस रिलीज के इस सप्ताह में मुझे सभी सैनिकों के लिए प्रेरणा, हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख अजीत डोभाल जी से मिलने का मौका मिला, मैं इसे एक अच्छा शगुन मानती हूं, जय हिंद।

कंगना ने डोभाल के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें हम उन्हें पेस्टल गुलाबी साड़ी और मोती का हार पहने हुए देख सकते हैं। उन्होंने अपने बालों को जूड़े में बांधा और माथे पर बिंदी के साथ नो-मेकअप लुक चुना। डोभाल ने कंगना के साथ सेल्फी के लिए मुस्कुराहट बिखेरी। हालांकि, कंगना ने इस मुलाकात के दौरान अपनी यात्रा के स्थान का खुलासा नहीं किया। इससे पहले नई दिल्ली में भारतीय वायु सेना सभागार में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के लिए तेजस की विशेष स्क्रीनिंग हुई थी। स्क्रीनिंग के बाद, भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अपने पहने हुए लड़ाकू विमान के आकार के ब्रोच को फिल्म के निर्देशक सर्वेश मेवाड़ा को पहनाया। यह फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है।

'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' की शूटिंग मेरे लिए आंखें खोल देने वाला अनुभव : अनुष्का सेन

मुंबई/एजेन्सी

'देवों के देव...महादेव', 'बाल वीर' और अन्य शो में अपने काम के लिए मशहूर अभिनेत्री अनुष्का सेन फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' में नजर आएंगी। फिल्म में अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि यह उनके लिए 'अविश्वसनीय रूप से एक मार्मिक अनुभव' है। हिना खान और शोएब निकेश शाह अभिनीत 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' ने अपनी अंतरराष्ट्रीय रिलीज के साथ मनोरंजन की दुनिया में काफी हलचल मचा रही है। भारतीय दर्शक इसका अनुभव करने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस अत्यधिक प्रशंसित फिल्म में अनुष्का एक छिपा हुआ रत्न हैं। जबकि रचनाकारों ने कुशलतापूर्वक इस मनोरम जानकारी को छुपाया था, अब उन्होंने अनुष्का की भूमिका को प्रदर्शित करने वाला एक आकर्षक ट्रेलर जारी किया है, जो उनके करैक्टर की एक झलक देता है।

इस झलक से एक अंधी लड़की का पता चलता है जिसकी असाधारण क्षमताएं हर किसी को चकित कर देती हैं। अपने किरदार के बारे में बताते हुए अनुष्का ने कहा, 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' में असाधारण शक्तियों वाली एक दृष्टिबाधित लड़की का किरदार निभाना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से भावुक करने वाला अनुभव था। मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए 'हां' कहा क्योंकि किरदार की यात्रा ने मेरे दिल को छू लिया और इस विश्वास को और पक्का किया कि हमारी क्षमताएं हमारी शारीरिक सीमाओं से कहीं आगे तक जाती हैं।' 'झांसी की रानी' अभिनेत्री ने कहा, ''इस फिल्म की शूटिंग करना अपने आप में एक आंखें खोलने वाला अनुभव था। मुझे दृष्टिबाधित लोगों की दुनिया को गहराई से समझना पड़ा और यह चुनौतीपूर्ण था। मुझे एहसास हुआ कि सिनेमा में सीमाओं को तोड़ने और मानवीय भावना दिखाने की ताकत है।''

फिल्म को ऑस्कर लाइब्रेरी में आमंत्रित किए जाने पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए अनुष्का ने साझा किया, फिल्म को जो सराहना मिली है वह जबरदस्त है। यह कहानी कहने की शक्ति का एक प्रमाण है। उन्होंने कहा, कंट्री ऑफ ब्लाइंड' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह हम सभी के भीतर की असाधारणता का उत्सव है। मैं इस खूबसूरत यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आभारी हूं। इसने दुनिया और इसमें मौजूद असीमित संभावनाओं को देखने के मेरे नजरिए को हमेशा के लिए बदल दिया है।'' अंतरराष्ट्रीय फिल्म जगत में अनुष्का का कदम 'लिहाफ' से शुरू हुआ, जो ऑस्कर विजेता मार्क बस्केट द्वारा सह-निर्मित और राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित थी। उन्होंने फिल्म 'एम आई नेक्स्ट' में भी मुख्य भूमिका निभाई। उनकी बहुमुखी प्रतिभा कोरियाई मनोरंजन उद्योग तक फैली हुई है। असद मोशन पिक्चर्स के सहयोग से राहत शाह काजमी, तारिक खान, नमिता लाल, जेबा साजिद और सह-निर्माता जयंत जयसवाल और जितेंद्र राय द्वारा निर्मित और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने से पहले अंतरराष्ट्रीय स्क्रीनिंग के लिए तैयार है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
8
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 25-10-2023
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

धर्मरूपी कल्पवृक्ष पंचमेष्ठि से व्याप्त आत्मा को परमात्मा बनाते हैं। अरिहंत परमात्मा जड़ है, सिद्ध भगवंत फल, आचार्य भगवंत फूल है और उपाध्याय पत्ते व साधु भगवंत धड़ के स्थान पर हैं। साधु भगवंत जिनका पंच परमेष्ठी में अंतिम स्थान है किंतु सभी पदों में उनकी महिमा, गरिमा महान है। अरिहंत बनने से पूर्व साधु बनना होता है। सिद्ध, आचार्य और उपाध्याय भी साधु बने बिना प्राप्त नहीं हो सकते। कैवल्य ज्ञान सहित अन्य ज्ञान भी साधू बने बिना प्राप्त नहीं किए जा सकते, सिद्ध पद को प्राप्त नहीं किया जा सकता। मरुदेवी माता ने भी तभी सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया जब उनके भावों में साधुता आई।

दुर्गा पंडाल — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के चूलै स्थित टिंबर मार्केट में रविवार को बिहार एसोसिएशन द्वारा आयोजित दुर्गा पंडाल में स्थापित प्रतिमा का झलक।

गुरु के समकक्ष नहीं बैठना चाहिए : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम के एएमकेएम में विराजित साध्वी श्री चैतन्याश्रीजी महाराज साहब ने अपने प्रवचन में बताया कि उत्तराध्ययन सूत्र की पावन पवित्र जिनवाणी जिसे हम श्रवण कर रहे हैं। शिष्य को गुरु के समक्ष कैसे बैठना चाहिए बराबरी में नहीं आगे भी नहीं ज्यादा पीछे भी नहीं और नम्रता के साथ बैठना चाहिए। शिष्य को जहां गुरु की नजर पड़े वहां पर बैठना चाहिए। ज्यादा दूर भी नहीं और ज्यादा नजदीक भी नहीं। विनय करके हमारी बुद्धि ज्ञानावरणीय कर्म क्षय हो जाता है। जितना विनय जितना नम्र बनोगे उतनी बुद्धि खुलेगी आज का दूसरा अध्ययन जिसका नाम परिषह हैं। साधु के 22 परिसह होते हैं यह परिसह सामान्य होते हैं पर उपसर्ग विशेष जानलेवा भी हो सकते हैं। आज की धर्म सभा मे अनेक क्षेत्रों से श्रद्धालु उपस्थित थे तथा गुरुवर्या साध्वी श्री प्रकाश कंवरजी म.सा. की जन्म जयंती तप त्याग से मनाई गई यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

'त्याग का पर्याय ही साधु जीवन है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बिन्नी नोर्थटाउन जैन संघ के संघ भवन में आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने नवपद ओली की आराधना के पंचम दिन साधु पद की महिमा से अवगत कराया। उन्होंने कहा धर्मरूपी कल्पवृक्ष पंचमेष्ठि से व्याप्त आत्मा को परमात्मा बनाते हैं। अरिहंत परमात्मा जड़ है, सिद्ध भगवंत फल, आचार्य भगवंत फूल हैं और उपाध्याय पत्ते व साधु भगवंत धड़ के स्थान पर हैं। साधु भगवंत जिनका पंच परमेष्ठी में अंतिम स्थान है किंतु सभी पदों में उनकी महिमा, गरिमा महान है। अरिहंत बनने से पूर्व साधु बनना होता है। सिद्ध, आचार्य और उपाध्याय भी साधु बने बिना प्राप्त नहीं हो सकते। कैवल्य ज्ञान सहित अन्य ज्ञान भी साधू बने बिना प्राप्त नहीं किए जा सकते, सिद्ध पद को प्राप्त नहीं किया जा सकता। मरुदेवी माता ने भी तभी सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया जब उनके भावों में साधुता आई। पंच परमेष्ठी के चार पदों में से कोई भी पद बिना साधु बने मिल नहीं सकता।उन्होंने आगे कहा कि त्याग का पर्याय ही साधु जीवन है। घर, पैसा, परिवार, साधन का त्याग तथा पैदल विहार ही साधु जीवन की पहचान है। साधु अपना घर, पैसा, परिवार तथा साधन का त्याग कर ही आगे बढता है। जैन धर्म में साधु को पैदल विहार करना आवष्यक है, जिससे अनेक जीवो की हिंसा बच सकती है। संसार में जितना पैसा अधिक होगा, उतना ही पाप कार्य अधिक होगा। साधु पद उपाध्याय, आचार्य, अरिहंत एवं सिद्ध की जन्म भूमि है। साधु बने बिना कोई भी पद प्राप्त नही हो सकता। हमें अपने जीवन में साधु तथा अगले जन्म में सिद्ध बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।साधू की भक्ति से मोक्षमार्ग की आराधना में सहायता की अपेक्षा रखनी है।

सिरोही शिवगंज विधायक संयम लोढ़ा का प्रवासियों ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित रामदेव भवन में सोमवार शाम को सिरोही शिवगंज विधायक सयंम लोढ़ा के चेन्नई प्रवास पर विधायक का सभी कौमों के अध्यक्ष और वरिष्ठ गणमान्यों ने सिरोही शिवगंज विधानसभा क्षेत्र के प्रवासियो ने राजस्थान की शान पगड़ी, शाल, माला से स्वागत किया। कार्यकर्म में गौ भक्त मोतीसिंह सिंह राजपूत कालंद्री ने बताया कि संयम लोढ़ा ने छोटे बड़े गांवों की गौशाला में गायों के लिए पानी की सुविधा शेड बनाए। ऐसे कई सहयोग के काम किए के कई गौशाला में अनुदान राशि की जरूरत है वहा भेज रहे है और प्रवासियों की हर सेवा के लिए हमेशा संयम लोढा तत्पर रहते हैं। मंगल सिंह धानता ने विधायक का आभार वयक्त किया और बताया कि कई विकास के ऐसे कार्य थे जो रुके हुए थे सड़कों का निर्माण स्कूल कॉलेज में शिक्षा के क्षेत्र में कई ऐसे काम विधायक ने आने के बाद करवाए संयम लोढ़ा ने अपने भाषण में बताया कि 5 सालों में इतने काम करवाए जो अटके पड़े थे हॉस्पिटल सुविधा सड़कों का निर्माण स्कूल में सुविधा जवाई बांध का पानी शिवगंज सिरोही को मिले इसका भी शिलान्यास किया। चेन्नई जोधपुर ट्रेन के फेरे बढ़ाने की कोशिश का भी आश्ववासन दिया और प्रवासियों लिए हर कार्य के लिए तत्पर है। विधायक के साथ राजस्थान से असलाराम माली, किशोर पुरोहित, प्रकाश प्रजापति, राजू रावल प्रताप पुरोहित, तेजाराम मीणा प्रवीण पुरोहित आदि उपस्थित हुए सभी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आयोजक प्रकाश दादा सुनील दादा थे कार्यक्रम के पश्चात भोजन रखा गया था मंच का संचालक विनोद जैन पोथेडी ने किया।

मैलापुर में 2024 के चातुर्मास को लेकर संघ ने की विनती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उपाध्यायश्री पुष्कर मुनिजी म.सा. के अन्तस्थ शिष्य, आचार्यश्री देवेन्द्रमुनिजी म. सा. एवं वर्तमान आचार्य डॉ. श्री शिवमुनिजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी उपप्रवर्तिनी सद्गुरुवर्या श्री चारित्रप्रभाश्रीजी म.सा की शिष्या गुरुवर्या डॉ. प्रतिभाश्रीजी म.सा. का आगामी वर्ष 2024 का चातुर्मास की विनती वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन संघ मैलापुर ने बेंगलूरु के अक्कीपेट में विराजित साध्वीवृंद से की। संघ के अध्यक्ष शांतिलाल चोरड़िया, मंत्री विमलचंद खाबिया, और दिलीप रांका ने विनती की इस मौके पर अक्कीपेट संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, माणकचन्द बडेरा आदि उपस्थित थे।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। चेन्नई कॉरपोरेशन के 'कॉल फॉर एक्शन' अभियान के तहत महानगर के सबसे व्यस्ततम, व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र साहुकारपेट, पार्क टाउन में यातायात की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए नगर निगम वार्ड नं 57 पार्षद राजेश जैन रंगीला ने एडिशनल कमिश्नर ऑफ़ पुलिस ट्रैफिक आर सुधाकर से मंगलवार को मुलाकात की। उन्हें क्षेत्र में अवस्थित ट्रैफिक, लारियों के असमय प्रवेश पर हो रही समस्याओं पर जानकारी दी। अतिरिक्त आयुक्त सुधाकर ने आश्वासन दिया कि वह स्वयं इस पर ध्यान देंगे और आवश्यक कार्यवाही करेंगे। इस अवसर पर राजेश जैन के साथ बिजनेस विंग जिलाध्यक्ष शांतिलाल राजपुरोहित, अरिहंत जैन चोरड़िया भी उपस्थित थे।

आचार्य भूधरजी का पुण्यस्मरण दिवस तप त्याग से मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मंगलवार को आचार्य भूधरजी म. सा. की पुण्यतिथि पर साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ-तमिलनाडु के तत्वावधान में तप-त्याग पूर्वक स्वाध्याय दिवस के रुप मे सामायिक साधना के रुप में मनाई गई। स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने सामायिक के पाठों के अर्थ का विश्लेषण किया। श्रावक संघ, तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने आचार्यश्री भूधरजी म.सा के जीवन चरित्र पर प्रकाश करते हुए कहा कि राजस्थान के नागौर में माणकचंद जी-रुपादेवी मुणोत परिवार में जन्मे भूधर बाल्यकाल से ही साहसी,वीर थे और सोजत में फौजियों के अफसर के रुप में आप नियुक्त हुए। कंटालिया ग्राम में 84 डाकुओं से लड़ते हुए विजयी बने, इस युद्ध के घटनाक्रम में आपके प्रिय ऊंट की गर्दन को एक डाकू ने शस्त्र से काट दिया। इस युद्ध में तड़प कर हुई मृत्यु को देखकर उन्हें संसार से विरक्ति हो गई व श्री धन्नाजी म.सा का संयोग पाकर आचार्यश्री धर्मदासजी म.सा के पास दीक्षित हुए।

दीक्षित होने के पश्चात पंचोले-पंचोले की तपस्या करने लगे वे स्वमत और परमत के प्रकाण्ड विद्वान थे। भीषण गर्मी में बालू रेत में घोर आतापना लेते वक्त रामा नामक किसान ने उन पर लाठियां चलाकर उन्हें लहु लुहान कर दिया,नगरवासियों ने रामा को पकड़ कर दण्डित करने का निर्णय लिया पर क्षमाधारी श्री भूधरजी म.सा ने उस को छोड़ देने को कहा। दिल्ली के बादशाह भम्रवश शहजादी को मृत्यु दण्ड सुनाने वाले थे पर जैन मन्त्री के कहने पर निर्णय रोका और मालव प्रदेश जाकर गुरुदेव भूधरजी म.सा से निवेदन किया,उन्होंने बादशाह के भम्र को दूर किया और शहजादी को भूलवश दिए जाने वाले मृत्युदण्ड से बचाया। कार्याध्यक्ष ने गुणगाण करते हुए बताया कि भूधरजी के नौ विशिष्ट विद्वान, कवि, त्यागी शिष्य रत्न हुए जिनमें रघुपतिजी म.सा, जैतसीजी म.सा, जयमलजी म.सा व कुशलचन्दजी म.सा की परम्परायें प्रमुख रही। दीपक श्रीश्रीमाल ने जीवन सूत्र व कांतिलाल तातेड़ ने जैन संकल्प कराया। श्रावक संघ के उपाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट ने नियम व प्रत्याख्यान करवाये। आर नरेन्द्र कांकरिया ने मंगल पाठ सुनाया।

उद्‌घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां श्री एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी की एक इकाई साहुकारपेट स्थित श्री बादलचंद शायर चंद चोरड़िया जैन विद्यालय मैट्रिकुलेशन स्कूल में हाल ही में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की गई। जिसका विधिवत उद्घाटन सोसाइटी के अध्यक्ष पदमचंद चोरडिया ने किया। विद्यालय के सचिव पी सुरेशचंद चोरड़िया ने बताया कि वर्तमान समय में सौर ऊर्जा हर संस्थान की जरूरत है। इसके प्रयोग से प्रतिवर्ष बिजली बिल के लाखों रुपये के साथ प्रदूषण से भी बचा जा सकता हैं । उन्होंने बताया की सोसाइटी के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों में आगामी कुछ सालो में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना की जाएगी। उद्घाटन समारोह में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित सोसाइटी के अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुरु राजेंद्र वाटर हट 'प्याऊ' का हुआ शुभारम्भ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद द्वारा कोयंबतूर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1एवं 2 पर नवनिर्मित प्याऊ का उद्घघाटन रविवार को मुख्य अतिथि के रूप मे मौजूद पूर्व मंत्री व तोंडामुथूर विधायक एसपी वेलुमनी एवं डिवीज़न रेलवे मैनेजर पंकज सिन्हा के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत परिषद सदस्यों द्वारा नवकार मन्त्र पठन से हुई।

इस अवसर पर विधायक वेलुमणि ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए बताया की जैन समाज हमेशा सेवा कार्यों मे अग्रणी रहा है, उन्होंने परिषद सदस्यों द्वारा लॉकडाउन के दौरान लोगो को भोजन पैकेट वितरण कर मानव सेवा की मिशाल कायम की उसकी अनुमोदना की। वही डीआरएम पंकज सिन्हा ने बताया की जैन समाज देने मे विश्वास रखता है लेने मे नहीं इनकी जन्मभूमि भले राजस्थान है मगर इन्होने अपनी कर्मभूमि के प्रति हमेशा अपना पूरा योगदान दिया है। इस अवसर परिषद द्वारा अतिथियों का राजस्थानी साफा जैन धर्म की शाल एवं माला द्वारा बहुमान किया गया!

परिषद अध्यक्ष दिलीप चैंपियन ने प्याऊ निर्माण के लिए रेलवे द्वारा उचित स्थान दिए जाने पर रेल्वे अधिकारियो का आभार व्यक्त किया, परिषद् के मंत्री दिनेश पोमानी ने परिषद द्वारा किये हुए जीवदया एवं मानव सेवा के कार्यों पर प्रकाश डाला, अंत मे अशोक क़ब्दी ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन महावीर मेहता ने किया व प्रोजेक्ट चेयरमैन चंदन चोपडा को धन्यवाद दिया साथ ही परिषद के सभी सदस्यों को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी सदस्यों ने अभी तक के सभी कार्यो में अपना पुरा योगदान दिया इस अवसर पर जैन समाज के अनेक गणमान्य सदस्य, श्री श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ, श्री राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट, श्री नाकोडा ओसवाल जैन ट्रस्ट, कोयंबतूर जैन महासंघ, विप्र फाउंडेशन, भगवान महावीर गौशाला, राजस्थान जैन परिषद के पदाधिकारी एवं लाभार्थी परिवार रिलायंस इलेक्ट्रिक, मेहता सिंडिकेट, सोलार स्पेयर्स, श्री पद्मावती हार्डवेयर व समाज के गणमान्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज केआरएस रोड मंदिर मे नवरात्रि पर्व संपन्न

मैसूरु। यहाँ की केआरएस रोड स्थित श्री आईमाता मंदिर के प्रांगण में श्री आईजी सेवा संघ व महिला मंडल एवं श्री आईजी गैर मंडल द्वारा नवरात्रि पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन बालयोगी संत मनोजकुमार ने कथा का वाचन किया। समाज के संस्थापक सुराराम सोलंकी ने संत व सहयोगियों का सम्मान किया। इस मौके पर विधायक हरीश गौड़ा ने अखंड व्रत करने वाले तपस्वियों का पारणा करवाया तथा सम्मान किया। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष मोटाराम सोलंकी, उपाध्यक्ष प्रभुराम पंवार, सचिव सुभाष काग, आईजी सेवा संघ के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, सचिव किशनलाल सानपुरा एवं मोहनलाल सोलंकी, आईजी गैर मंडल के अध्यक्ष चेनाराम परिहार, महिला मंडल की अध्यक्ष विमला देवी गेहलोत,सचिव कमला देवी गेहलोत सहित बड़ी संख्या में लोगों उपस्थित थे।

मांजीसा भक्त मंडल के नवरात्रि महोत्सव में रही डांडिया व गरबा की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माँ माजीसा भक्त मंडल प्रमिला परिवार के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थित सिद्धलिंगेश्वर काम्पलेक्स में आयोजित नौ दिवसीय गरबा व डांडिया रास का समापन हुआ। मंडल के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने बताया नौंवे दिन माँ माजीसा की भव्य मंगल आरती रखी गयी जिसका लाभ मंगलसिंह राजपुरोहित ने लिया। इस आयोजन में रोजाना विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताए रखी गयी थी सभी विजेताओ को पुरस्कार लाभार्थी परिवारों द्वारा दिया गया। इस मौके पर सभी सहयोगी व लाभार्थियों का सम्मान किया गया। माँ की भक्ति, पूजा, अर्चना, प्रसादी एवं गरबा व डांडिया रास में नौ दिन संतोषबाई, रेखाबेन बोहरा, पुठपदास, मंजुबेन सोलंकी, अनिता प्रजापत, गीता प्रजापत, मंजू घांची, सुशीला जैन कैलाशा पुरोहित, गवरी प्रजापत,मधु राजपुरोहित, रेखा, पिस्ता प्रजापत, इग्यारस प्रजापत आदि ने अपनी सेवाएं दी। अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.